केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 15 शनिवार 3 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

विद्यार्थी विज्ञान मंथन की विवरणिका का विमोचन

संवाददाता– गोरखपुर। सरस्वती शिशु मंदिर (102) पक्कीबाग गोरखपुर में विज्ञान भारती द्वारा संचालित विद्यार्थी विज्ञान मंथन प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थी विज्ञान मंथन की विवरणिका 2024 का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विज्ञान भारती के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ योगेंद्र कोहली ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी व विज्ञान शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष डॉक्टर योगेंद्र कोहली ने कहा कि विद्यार्थी विज्ञान मंथन देश का सबसे बड़ा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है जो विद्यार्थियों को विज्ञान के क्षेत्र में कुछ नया करने का अवसर प्रदान करता है। विद्यार्थी विज्ञान मंथन के माध्यम से विद्यार्थी देश की सर्वोच्च वैज्ञानिक संस्थानों में यात्रा करने तथा अपनी प्रतिभा को दिखाने के लिए तैयार किए जाते हैं।

सर्पदंश से युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थानाक्षेत्र के कोठिला गांव में सर्पदंश से एक युवक मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। गांव निवासी रामनाथ निषाद (22) पुत्र चन्नू बुधवार की रात भोजन के बाद कमरे में जाकर सो गया। बताया जा रहा है कि रात करीब 12 बजे विषैला सांप उसके बिस्तर पर चढ़ गया। सांप ने रामनाथ के पैर में दो बार डस लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन रात करीब तीन बजे जिला अस्पताल लेकर गए। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद रामनाथ को मृत घोषित कर दिया। रामनाथ की शादी बीते 23 अप्रैल को हुई थी। वह गुरुवार शाम को रोजी–रोटी की तलाश में मुम्बई जाने वाला था।

सरयू में स्नान करने गया कावड़ यात्री लापता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के साहूपार , महसों निवासी दीनानाथ पुत्र राम प्रसाद ने लालगंज पुलिस को तहरीर देकर यह बताया कि उनका लड़का अजय कुमार पुत्र दीनानाथ गुरूवार को सुबह बाइक से अपने सात – आठ मित्रों के साथ अयोध्या जल भरने के लिए गया था , जिसका शुक्रवार शाम तक कुछ पता नहीं चल सका । जानकारी के अनुसार अजय अपने कुछ मित्रों के साथ बृहस्पतिवार को कावड़ यात्रा में सरयू जल भरने के लिए अयोध्या गया हुआ था बृहस्पतिवार रात लगभग 9रू30 बजे अजय तथा उसके साथी सरयू स्नान के लिए नए घाट पर गए जहां अजय के मित्र सब स्नान के लिए चले गए और अजय कपड़े वा सामान की देखभाल के लिए घाट पर ही रुक गया उसके मित्र जब स्नान करके सभी आ गए तो अजय सरयू स्नान के लिए गया उसके बाद से उसका कुछ पता नहीं चला । कुछ देर इंतजार करने के बाद अजय के मित्र अजय को ढूंढने लगे , काफी देर ढूंढने के बाद भी जब अजय का पता नही चला तो अजय के साथ गए मित्रों ने परिजनों को फोन करके इस बात की जानकारी दी । जानकारी होने के बाद परिजन भी बस्ती से लेकर अयोध्या तक अजय के बारे में जानकारी करने में लग गए हैं । खबर लिखे जाने तक अजय के बारे में कुछ पता नहीं चल पाया था । अजय के पिता दीनानाथ पुत्र राम प्रसाद द्वारा महसों पुलिस चौकी पर तहरीर देकर गुमशुदगी की सूचना दिया गया है । पूरे परिवार का रो–रो कर बुरा हाल है । चौकी प्रभारी महसों अनस खान ने बताया कि प्रचार प्रसार कर जानकारी की जा रही है।

क्या राहुल गांधी को गिरफ्तार करेगी ईडी.!

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि संसद में उनके 'चक्रव्यूह' वाले भाषण के बाद प्रवर्तन निदेशालय ईडी के जरिए उनके खिलाफ छापेमारी की योजना बनाई जा रही है। राहुल ने कहा कि वह खुली बांहों के साथ ईडी अधिकारियों का इंतजार कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा–जाहिर है, 2 में से 1 को मेरा चक्रव्यूह वाला भाषण अच्छा नहीं लगा। ईडी के अंदरूनी सूत्रों ने मुझे बताया है कि छापेमारी की तैयारी हो रही है। मैं ईडी का खुली बांहों से इंतजार कर रहा हूं। चाय और बिस्कुट मेरी तरफ से... इतना ही नहीं राहुल ने अपने इस पोस्ट में प्रवर्तन निदेशालय के आधिकारिक एक्स हैंडल को टैग भी किया है। राहुल के इस पोस्ट के बाद यह अटकलें लग रही हैं कि क्या राहुल गांधी के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय छापेमारी करेगा। क्या राहुल गिरफ्तार भी हो सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में एडवोकेट अनिल सिंह श्रीनेत बताते हैं कि 2019 की बात है, जब राज्यसभा में भाजपा के पास बहुमत नहीं था। इसके बाद भी मोदी सरकार ने पीएमएलए में बदलाव के लिए इसे धन विधेयक की तरह पेश किया था। दरअसल, धन विधेयक को राज्यसभा में पेश नहीं करना पड़ता है। इसे सीधे राष्ट्रपति की मंजूरी लेकर लोकसभा में पेश किया जाता है और जहां बहुमत से पास होने के बाद यह कानून बन जाता है। उस वक्त विपक्ष ने इस मामले पर बहुत हंगामा मचाया था। विपक्ष का कहना था कि पीएमएलए में मनी बिल जैसी कोई बात नहीं है।

जानबूझकर इसे मनी बिल के तहत लोकसभा से पारित कराया गया, ताकि केंद्र की सत्तारूढ़ भाजपा सरकार इसका इस्तेमाल सियासी दुश्मनी को साधने में करना चाहती है। जब यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो उसने भी संशोधन को सही ठहराया।

हादसों में 8 कावडिये घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले में अयोध्या–बस्ती फोरलेन पर हर्रैया व छावनी थानाक्षेत्र में अलग–अलग चार हादसों में आठ कांवड़िए घायल हो गए। हर्रैया के जिवधरपुर गांव के पास अयोध्या से जल भरकर भदेश्वरनाथ जा रहे बाइक सवार कांवड़ डिवाइडर से टकरा गए। हादसे में संतकबीरनगर के तीन कांवड़िए घायल हो गए। घायल अमित पुत्र रन बहादुर निवासी बेला कोतवाली संतकबीरनगर, विकास पांडेय पुत्र चंद्रभान व शिवम पांडेय पुत्र कैलाश निवासी कुरथिया थाना कोतवाली संतकबीरनगर को सीएचसी हर्रैया में भर्ती कराया गया।

शुक्रवार भोर में छावनी थाना के डुहवामिश्र गांव के पास कांवड़ियों की बाइक डिवाइडर से टकरा गई। घायल राम प्रकाश पुत्र शिवपूजन निवासी भरवलिया थाना लालगंज, आदर्श कुमार पांडेय पुत्र अनिल निवासी परसा थाना पैकोलिया को एनएचएआई की एंबुलेंस की मदद से सीएचसी हर्रैया भिजवाया गया। तीसरा हादसा हर्रैया थाना क्षेत्र के महूघाट में शुक्रवार की सुबह करीब छह बजे हुआ। हादसे में बाइक सवार सच्चिदानंद पुत्र रामकेवल निवासी परसा पैकोलिया व जीतेन्द्र सिंह पुत्र अम्बिका सिंह निवासी गौहनिया थाना हर्रैया घायल हुए, जिन्हें अस्पताल भेजा गया। महूघाट में ही शुक्रवार की भोर में अयोध्या से जल भरकर जलाभिषेक के लिए भदेश्वरनाथ जा रहे कावडियां डिवाइडर से टकराकर घायल हो गए। एनएचएआई की एंबुलेंस से घायल पवन पुत्र रामकरन निवासी बनकटी थाना लालगंज को सीएचसी हर्रैया में भर्ती कराया गया।

मोहित हत्याकाण्ड में इल्हान गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बहुचर्चित मोहित अपहरण व हत्याकांड में पुलिस टीम को मोस्ट वांटेड मुख्य अभियुक्त इल्हान को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। पुलिस कप्तान गोपालकृष्ण चौधरी ने बताया कि संयुक्त टीम ने हत्याकांड के 16वें अभियुक्त को कोतवाली थानाक्षेत्र के झलकटिया तिराहा के पास से दिन में तकरीबन साढ़े 10 बजे गिरफ्तार कर लिया है।

पकड़ा गया अभियुक्त इल्हान दरियाखां मोहल्ला निवासी काजी सफातुल्लाह का बेटा है। पुलिस ने आवश्यक पूछताछ कर रह पीसी रिमांड के लिए अदालत में प्रार्थनापत्र दिया है। कोर्ट के आदेश दोपहर बाद उसे जेल भेज दिया गया। एसपी ने बताया कि मोहित हत्याकांड में अब तक सोलह की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि चार अन्य अभियुक्त पुलिस की गिरफ्त से अब भी फरार है। जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

मोहित हत्याकांड के मुख्य अभियुक्त इल्हान ने पुलिस के समक्ष स्वीकार किया कि उसी ने मोहित की हत्या की थी उसके बाद साथियों के साथ चंगेरवा–पिपरागौतम गांव के बीच पीपल के पेड़ के पास कुआनो नदी में लाश फेंक कर फरार हो गया था।

एसएचओ विजय दुबे, स्वाट प्रभारी उमाशंकर तिवारी, एसओजी प्रभारी जनार्दन प्रसाद व सर्विलांस प्रभारी शशिकांत की टीम ने इल्हान की निशानदेही पर मोहित का एप्पल आईफोन बरामद कर लिया है।

शहर के पिकौरदत्तूराय मोहल्ले में एक मकान में किराए पर मोहित यादव रहता था। वह मूलरूप से लालगंज थानाक्षेत्र के सुकरौली गांव का रहने वाला था। 12 जुलाई 2024 की दोपहर में करीब एक बजे दो बाइक से पहुंचे आरोपितों ने उसका अपहरण कर पहले बाइक पर बैठाया। मेन सड़क पर पहुंचते ही उसे एक्सयूवी में लेकर लालगंज थानाक्षेत्र के छरौछा गांव के पास ले गए। वहीं मारा–पीटा।

आस्था के जल से नहां गये भोलेनाथ हर तरफ बोल बम के जयकारे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। श्रावण त्रयोदशी पर शिवभक्तों ने अपने आराध्य देव महादेव का आस्था के जल से अभिषेक किया। अयोध्या से पावन सरयू नदी का जल भरकर नंगे पांव पहुंचे करीब पांच लाख कांवड़ियों ने भदेश्वरनाथ मंदिर समेत तिलकपुर, कड़र, भारीनाथ, बरवा, देवरिया आदि अनेक शिव मंदिरों पर जलाभिषेक किया। मंदिर का कपाट खुलने के बाद मध्यरात्रि गुरुवार से शुरू हुआ जलाभिषेक का सिलसिला शुक्रवार को जारी रहा। कांवड़िए शिवभक्ति में सराबोर नजर आए। बोलबम के जयकारे से इलाके गूंज उठे।

शहर के राणा प्रताप तिराहे से मंदिर तक करीब पांच किलोमीटर की कतार में झूमते–गाते कांवड़ियों को देखकर श्रद्धालु निहाल हुए। डीजे की धुन पर थिरकते कांवड़िए शिवभक्ति में पूरी तरह सराबोर नजर आए। आसपास के इलाके में भक्ति की बही रसधार में लोग नहाए नजर आए। महादेव के दरबार में हाजिरी लगाई और जलाभिषेक करके मन्नतें मांगी। कांवड़ यात्रा में बस्ती समेत संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, आबेडकरनगर से काफी

–चप्पे–चप्पे पर कड़ी सुरक्षा, कैमरों से हुई निगरानी
–आधी रात से ही चढने लगा जल, शाम तक जमे रहे श्रद्धालु

संख्या में कांवड़िए शामिल हुए। गोरखपुर से भी कांवड़िए भदेश्वरनाथ में जलाभिषेक करने आए थे।

आधी रात को बाबा भदेश्वरनाथ मंदिर का पट खुलते ही लाखो कांवड़ियों की लंबी कतार लग गई। कांवरियों के जलार्पण, भीड़ व कतार नियंत्रण, निगरानी के लिए पुलिस सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे। कांवरियों की सुविधा के लिए प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए। रात से ही जलार्पण के लिए कांवरियों का तांता लगा रहा।

चाक–चौबंद सुरक्षा के बीच शिवभक्तों ने भोलेनाथ को जलार्पण किया ।पूरे कांवड़िया पथ में बोल बम और हर–हर महादेव के घोष की गूंज रही। केसरिया रंग के वस्त्र पहने कांवड़िया कांधे पर कांवर लेकर जयकारों के साथ चलते हुए पूरे वातावरण में श्रद्धा का रस घोलते रहे। पूरा मंदिर परिसर केसरियामय रहा। महिला–पुरुष और बच्चे सभी जलाभिषेक करने को तत्पर और उत्साहित दिखे।

लाखों की तादाद में उमड़ी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस की ओर से सुरक्षा की तगड़ी व्यवस्था की गई थी। इस मौके पर एसपी गोपाल कृष्ण चौधरी स्वयं पल–पल की निगरानी करते रहे। परिसर में लगाए 50 सीसीटीवी व ड्रोन कैमरे से कंट्रोल रूम में सतत रूप से मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारी तैनात रहे, ताकि किसी भी तरह की परेशानी को लेकर त्वरित कार्रवाई की जा सके।

गुरुवार की आधीरात से लेकर सुबह आठ बजे तक ही लगभग दो लाख से अधिक श्रद्धालु भक्तजनों के द्वारा मंदिर में जलाभिषेक कर पूजा–अर्चना की गई। यह सिलसिला दिनभर चलता रहा। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के साथ–साथ जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, पुलिस अधीक्षक गोपालकृष्ण चौधरी, एडीएम प्रतिपाल चौहान, एएसपी ओपी सिंह, एसडीएम शत्रुहन पाठक, सीओ सिटी सत्येन्द्र भूषण तिवारी आदि अफसरों ने पहुंचकर पहले पूजा अर्चना की फिर स्थिति का जायजा लिया। श्रावण शिवरात्रि मेला को लेकर लगभग पांच सौ पुलिस बल की व्यवस्था के साथ–साथ दर्जन भर मजिस्ट्रेट व पुलिस अधिकारी शिफ्ट के अनुसार अपने निर्धारित ड्यूटी स्थल पर जमे रहे। गर्भ गृह में महिला पुलिस की अलग से शिफ्टवार तैनाती की गई थी। चिकित्सा दल की भी तैनाती रही। सावन के महीने में भगवान शिव पर जलार्पण करने की काफी पुरानी परंपरा है। खासकर सावन में महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव पर जल अर्पण करना काफी शुभ और शीघ्र मनोकामना पूर्ण होने को लेकर फलदायी वाला दिन माना जाता है। शिवालयों पर मेले जैसे दृश्य रहा और बड़ी संख्या में कावड़ियों ने खरीदारी भी किया।

दिल्ली का गुस्सा लखनऊ में क्यों उतार रहे हैं- अखिलेश यादव

लखनऊ (आभा)। समाजवादी पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में गुरुवार को सीएम योगी आदित्यनाथ के उस बयान पर सवाल पूछा है जिसमें योगी ने कहा था कि उन्हें यहां से ज्यादा प्रतिष्ठा मठ में मिल जाती है। अखिलेश ने शुक्रवार को सोशल साइट एक्स पर एक ट्वीट के जरिए सवाल पूछा है कि दिल्ली का गुस्सा लखनऊ में क्यों उतारा जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के कुछ बड़े नेताओं की खींचतान पर तंज करते हुए सपा के मुखिया अखिलेश ने पूछा है–ष्सवाल ये है कि इनकी प्रतिष्ठा को ठेस किसने पहुंचाई? कह रहे हैं सामने वालों से, पर बता रहे हैं पीछे वालों को। कोई है पीछे?

लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी से भाजपा की सीटें घटने और सपा से भी नीचे रहने के बाद भाजपा नेताओं के बीच रस्साकशी पर अखिलेश रह–रहकर मजे ले रहे हैं। कुछ समय पहले उन्होंने बिना नाम लिए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को 100 लाओ, सरकार बनाओ का ऑफर दिया था। विधानसभा में बुधवार को सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने भी सीएम योगी से कहा था कि आपके डिप्टी सीएम आपको गच्चा देंगे। योगी ने इससे पहले विपक्ष के नए नेता माता प्रसाद पांडेय को बधाई देते हुए शिवपाल पर तंज कसा था कि चाचा को गच्चा दे दिया गया। इस पर शिवपाल ने योगी से कहा था कि तीन साल आपके साथ रहे तो आपने भी गच्चा दिया ।यूपी भाजपा की राजनीति में इस समय केशव प्रसाद मौर्य के बयान हलचल मचा रहे हैं।

अधिवक्ता हत्याकाण्ड में सपा नेता समेत पांच गिरफ्तार

हरदोई (आभा)। हरदोई में अधिवक्ता हत्याकांड में पुलिस ने सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बीरेंद्र यादव उर्फ बीरे समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गुरुवार देर रात पुलिस मुठभेड़ में एक शूटर को गोली लगी, जबकि बाकी को शुक्रवार सुबह उनके घरों से पकड़ा गया। प्रॉपर्टी को लेकर सुपारी देकर शूटरों से कत्ल कराया गया था। वरिष्ठ अधिवक्ता कनिष्क महरोत्रा की तीन दिन पहले हमलावरों ने घर में घुसकर हत्या कर दी थी। शुक्रवार को वारदात का खुलासा करते हुए एसपी नीरज जादौन ने बताया कि लखनऊ रोड पर सिनेमा चौराहे के पास कोठी खाली कराने के लिए हत्या कराई गई। उन्होंने बताया कि करीब 11 साल पहले बीरे यादव, सराय थोक पश्चिमी निवासी आदित्य भान सिंह, धर्मशाला रोड रफी अहमद चौराहा निवासी व्यापारी शिखर गुप्ता और लखनऊ रोड रामनगर कॉलोनी निवासी ठेकेदार नृपेंद्र त्रिपाठी ने मिलकर कोठी खरीदी थी।

कनिष्क शुरू से ही इस मकान में रह रहे थे। बताया जा रहा है कि चारों पार्टनरों ने कोठी को खाली कराने का प्रयास किया। कई बार कनिष्क को डराया–धमकाया लेकिन सफल नहीं हुए। इस पर चारों ने अधिवक्ता को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया। एसपी के मुताबिक चारों ने चार लाख रुपये में शूटर रामू महावत से डील की। रामू ने अपने साथी जोगीपुर मजरा तत्यौरा निवासी रामसेवक उर्फ लल्ला, राजवीर और झरोइया के नीरज के साथ मिलकर घटना को अंजाम देने की योजना बनाई। मुवक्किल के बहाने घर में घुसे और कनिष्क को गोली से उड़ा दिया। एसपी ने बताया कि हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें लगाई गई थीं। गुरुवार देर रात नीरज को मुठभेड़ के बाद धर–दबोचा। उसके पैर में गोली लगी है। बीरे, शिखर, आदित्यभान और नृपेंद्र को उनके घरों से गिरफ्तार किया गया है। हत्याकांड में शामिल बाकी दो शूटरों की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

हाकी में भारत ने आस्ट्रेलिया को 3–2 से पराजित किया

नई दिल्ली (आभा)। भारतीय हॉकी टीम का शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया से सामना हुआ। क्वार्टर फाइनल से पहले हरमनप्रीत सिंह की टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 3–2 से हराया। इसी के साथ भारत ने क्वार्टर फाइनल से पहले जीत की पटरी पर वापसी कर ली है। दिलचस्प बात यह है कि भारत ने 52 साल बाद ओलंपिक के इतिहास में ऑस्ट्रेलिया को हराया है। इससे पहले 1972 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत दर्ज की थी।

शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में अभिषेक ने पहले क्वार्टर के 12वें मिनट में गोल किया और भारत ने 1–0 से बढ़त बनाई। हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर में 13वें मिनट में गोल कर दिया। इसी के साथ भारत 2–0 से आगे हो गया। दूसरे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया का खाता खुला। 25वें मिनट में क्रैग थॉमस ने गोल किया और टीम का स्कोर 2–1 हो गया। 26वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे हरमनप्रीत सिंह ने बचाया। हाफ टाइम तक भारत 2–1 की बढ़त के साथ आगे था। तीसरे क्वार्टर में हरमनप्रीत सिंह ने 32वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक में गोल किया। इसी के साथ भारत 3–1 से आगे हो गया। तीन क्वार्टर के बाद भारत ने 3–1 से ऑस्ट्रेलिया पर बढ़त बनाए रखी। चौथे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया के लिए ब्लैक गोवर्स ने 55वें मिनट में गोल किया और ऑस्ट्रेलिया को 3–2 की बढ़त दिलाई। इसी के साथ भारत ने जीत दर्ज की और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

प्लास्टिक मुक्त भारत का संकल्प लिया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। युवा विकास समिति, बस्ती द्वारा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग पृथ्वी दिवस के अवसर पर श्प्लेनेट वर्सेस प्लास्टिकश की थीम पर प्लास्टिक मुक्त भारत कार्यक्रम का आयोजन यूपीएस हर्रैया में किया गया।

मुख्य अतिथि जल जीवन मिशन में टीम लीडर प्रशांत द्विवेदी नें कहा की पृथ्वी दिवस दुनिया भर के नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता के महत्व की याद दिलाता है। इस वर्ष पृथ्वी दिवस की थीम ग्रह बनाम प्लास्टिक जो भारत में प्लास्टिक मुक्त भारत रखा गया है। यह कार्यक्रम प्लास्टिक प्रदूषण के गम्भीर मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करती है।

पर्यावरणविद सर्वेश त्रिपाठी ने प्लास्टिक मुक्त भारत की सफलता के लिये प्लास्टिक के दैनिक इस्तेमाल को कम करने तथा प्लास्टिक पदार्थ का निस्तारण कर रिसाईकिलिंग करने का सुझाव दिया। विशिष्ट अतिथि समन्वयक अर्जुन प्रजापति ने किचेन गार्डेन को बढ़ावा देने तथा जैविक खेती के द्वारा जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने व गांव के जल स्रोतो की सफाई करने पर विशेष बल दिया।

पृथ्वी दिवस के अवसर पर छात्र–छात्राओं द्वारा प्लास्टिक मुक्त भारत के बैनर तथा पृथ्वी दिवस से संबंधित नारों के साथ रैली निकाली गयी जिसमें स्थानीय लोग पर्यावरण से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

छात्र–छात्राओं द्वारा प्लास्टिक के कचरों को इक्ट्ठा कर डस्टबीन में एकत्रित किया गया तथा निकट भविष्य में प्रतिदिन प्लास्टिक कचरों को इक्ट्ठा करने की प्रतिज्ञा की। प्लास्टिक मुक्त भारत पर ड्राईंग कम्पटीशन, स्लोगन राईटिंग कम्पटीशन तथा निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्लास्टिक मुक्त भारत से संबंधित प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियो को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रशांत द्विवेदी द्वारा प्रमाण पत्र मोमेण्टम तथा अंगवस्त्रम् देकर प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर छायादार पेड़ों का रोपण किया गया।

इस मौके पर अरुण कुमार पाण्डेय, मंगेश दूबे, नारायण बी अय्यर, गोविन्द मिश्र, बृजेश शुक्ल, अनुराग श्रीवास्तव, विशाल पाण्डेय सहित अनेकों लोग मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 3 अगस्त 2024 शनिवार

सम्पादकीय

आरक्षण की दशा और नई दिशा

सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को आरक्षण पर दिए ऐतिहासिक फैसले में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी–एसटी) के आरक्षण के तहत वर्गीकरण की मंजूरी दे दी है। यानी मौजूदा कोटे के अंदर भी नया कोटा बनाया जा सकेगा। साथ ही कोर्ट ने एससी, एसटी वर्ग के आरक्षण में से क्रीमीलेयर को चिन्हित कर बाहर किए जाने की जरूरत पर बल दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का मतलब यह निकलता है कि एससी, एसटी वर्ग को मिलने वाले आरक्षण में उसी वर्ग के आरक्षण का लाभ पाने से वंचित रह गए वर्गों को लाभ देने के लिए उप वर्गीकरण किया जा सकता है। उदाहरण के लिए एससी वर्ग की जो जातियां ज्यादा पिछड़ी रह गई हैं और उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाया है, उनका सरकारी नौकरियों में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है, उनको उप वर्गीकरण के जरिए उसी कोटे में प्राथमिकता दी जा सकती है ताकि उन तक लाभ पहुंचे और उनका उत्थान हो।

हालांकि कोर्ट ने कहा है कि इसके लिए पर्याप्त प्रतिनिधित्व न होने और पिछड़ेपन का संकेत देने वाले आंकड़े एकत्र करने होंगे। फैसले का दूसरा पहलू क्रीमी लेयर है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में एससी एसटी वर्ग में क्रीमी लेयर की पहचान कर उसे आरक्षण के लाभ से बाहर करने की बात कही है। अभी तक क्रीमी लेयर का सिद्धांत सिर्फ ओबीसी आरक्षण में ही लागू है। एससी–एसटी वर्ग के आरक्षण में क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू नहीं है, लेकिन इस फैसले के बाद एससी एसटी वर्ग में भी क्रीमी लेयर की पहचान करने और उसे बाहर करने की बात कही गई है, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों को ही आरक्षण का लाभ मिले।

यह फैसला इस लिहाज से भी याद रखा जाएगा कि मसले की जटिलता की झलक पीठ के सदस्यों की अलग–अलग राय में भी मिलती है। ऐसे उदाहरण कम मिलते हैं कि 6–1 के बहुमत से दिए गए फैसले में भी छह ओपिनियन सामने आएं। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी तो बहुमत की राय से असंतुष्ट रहीं, लेकिन जो छह जज बहुमत की राय से सहमति रखते हैं, उनके भी पांच अलग–अलग फैसले आए। इनमें क्रीमी लेयर को एससी–एसटी पर भी लागू करने और आरक्षण को एक पीढ़ी तक सीमित करने जैसे अलग–अलग तरह के कई सुझाव दर्ज हुए।

सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ ने 6–1 के बहुमत से फैसला देकर साफ कर दिया है कि राज्यों को आरक्षण के लिए कोटा के भीतर कोटा बनाने का अधिकार है यानी राज्य सरकारें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति श्रेणियों के लिए सब कैटेगरी बना सकती हैं। राज्य विधानसभाएं इसे लेकर कानून बनाने में समक्ष होंगी। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने 2004 के अपने पुराने फैसले को पलट दिया है. हालांकि, कोर्ट का यह भी कहना था कि सब कैटेगिरी का आधार उचित होना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी, जस्टिस पंकज मिथल, जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने ये फैसला सुनाया।

आरक्षण का उद्देश्य सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को अवसर प्रदान करना है, लेकिन अक्सर बड़े समूहों के भीतर कुछ समूह ज्यादा लाभ उठा लेते हैं, जिससे अन्य उपेक्षित रह जाते हैं। जैसे– ओबीसी आरक्षण में विभाजन. कई राज्यों में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण को ज्यादा पिछड़े और कम पिछड़े समूहों में विभाजित किया गया है ताकि अधिक पिछड़े वर्गों को अधिक लाभ मिल सके। कुछ राज्यों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को भी विभाजित किया गया है ताकि इनमें भी सबसे कमजोर वर्गों को प्राथमिकता दी जा सके. आरक्षण की इस व्यवस्था को कुछ लोग विभाजनकारी मानते हैं और तर्क देते हैं कि इससे समुदायों के बीच दरार बढ़ सकती है. वहीं एक बड़ा वर्ग इसे जरूरी मानता है।

साफ है कि कानून के लिहाज से बहुमत का फैसला ही मान्य होगा, लेकिन पीठ के सदस्यों के वैयक्तिक फैसलों में जाहिर हुए ये सुझाव आगे विमर्श की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। कुल मिलाकर, फैसला न सिर्फ पॉलिसी के लेवल पर महत्वपूर्ण दखल है बल्कि आरक्षण जैसे मसले पर भविष्य के लिए दिशासूचक का भी काम कर सकता है।

वैसे सर्वोच्च न्यायालय के फैसले पर राजनीति शुरू हो गई है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दिए गए फैसले पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि क्या दलितों व आदिवासियों का जीवन द्वेष व भेदभाव–मुक्त हो गया है? ऐसे में आरक्षण का बंटवारा कितना उचित है? उन्होंने भाजपा–कांग्रेस को भी निशाने पर लिया और कहा कि एससी–एसटी व ओबीसी लेकर दोनों दलों का रवैया उदारवादी रहा है सुधारवादी नहीं। उन्होंने सोशल साइट एक्स पर कहा कि सामाजिक उत्पीड़न की तुलना में राजनीतिक उत्पीड़न कुछ भी नहीं। क्या देश के खासकर करोड़ों दलितों व आदिवासियों का जीवन द्वेष व भेदभाव–मुक्त आत्म–सम्मान व स्वामिमान पूर्ण हो पाया है। अगर नहीं तो फिर जाति के आधार पर तोड़े व पछाड़े गए इन वर्गों के बीच आरक्षण का बंटवारा कितना उचित? बहरहाल आरक्षण पर नये सिरे से विमर्श शुरू हो गया हैं और यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इसकी दिशा भविष्य में क्या आकार लेगी।

वायनाड त्रासदी प्रकृति की बड़ी चेतावनी

—डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी—

केरल के वायनाड में आए भारी भूस्खलन से प्रलय मच गया है. हादसे में अब तक 300 के करीब लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, हजारों लोग घायल हैं और मलबे में दबे लोगों की तलाश चल रही है। देर रात आई आपदा ने जन–धन की हानि को बढ़ाया है। इस आपदा ने 11 साल पहले आई केदारनाथ त्रासदी की यादें ताजा कर दी हैं। जो रात में सोया था, उसे उठने तक का मौका नहीं मिला और सुबह मलबे में मिला। चारों तरफ बर्बादी ने इन गांवों की खूबसूरती को उजाड़ दिया। भूस्खलन से उपजी बड़ी मानवीय त्रासदी इस बात का प्रमाण है कि प्राकृतिक रौद्र को बढ़ाने में मानवीय हस्तक्षेप की भी बड़ी नकारात्मक भूमिका रही है। भूस्खलन और उसके बाद तेज बारिश से राहत व बचाव के कार्यों में बाधा आने से फिर स्पष्ट हुआ है कि कुदरत के रौद्र के सामने आज भी सारी मानवीय व्यवस्था बौनी साबित होती है।

वैज्ञानिक बार–बार चेता रहे हैं कि भारत के पश्चिमी तट पर वर्षा का पैटर्न बदलता जा रहा है। वर्षा अक्सर एक छोटे से क्षेत्र में तीव्र, अल्पकालिक या गरज के साथ हो रही है। वजह भी दक्षिण–पूर्व अरब सागर के गर्म होने की बताई जा रही है। मंगलवार को केरल जिले के वायनाड में अपने साथ किए जा रहे खिलवाड़ से गुस्साई प्रकृति भी रौद्र रूप में सामने आ गई। प्रकृति के इस रूप ने केरल की हरियाली से लबरेज उन तमाम तस्वीरों को मटियामेट कर दिया जिनके माध्यम से केरल को सर्वाधिक समृद्ध जैव विविधता वाले राज्य के रूप में पहचाना जाता है।

पिछले कुछ वर्षों में किए गए अध्ययन बताते हैं कि जलवायु परिवर्तन और वन क्षेत्र की हानि वायनाड में विनाशकारी भूस्खलन के दो सबसे महत्वपूर्ण कारण हैं। राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के बीते वर्ष जारी भूस्खलन एटलस के मुताबिक, भारत के 30 सर्वाधिक भूस्खलन–संभावित जिलों में से 10 केरल में ही थे, और वायनाड इनमें 13वें स्थान पर था। इसी में यह भी कहा गया था कि पश्चिमी घाट और तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गोवा व महाराष्ट्र की कोंकण पहाड़ियों का 90 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील है। दूसरी ओर, वायनाड में घटते वन क्षेत्र पर 2022 के एक अध्ययन से पता चलता है कि 1950 से 2018 के बीच जिले में 62 फीसदी वन गायब हो गए, जबकि बागान (प्लांटेशन) क्षेत्र में लगभग 1,800 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जाहिर है कि वनों की कटाई से भू–भाग कमजोर हो चुका है जो तेज बारिश में बार–बार भूस्खलन की वजह बनता है।

जलवायु–परिवर्तन ने भी बारिश की स्थिति और भू–स्खलन की तीव्रता को बढ़ाया है। एक शोध में कहा गया है कि जो वायनाड साल भर बूंदाबांदी और मानसून की बारिश वाला ठंडा, नम वातावरण वाला इलाका होता था, जलवायु–परिवर्तन के कारण अब सूखा, गर्म, लेकिन मानसून के दौरान भारी, तीव्र बारिश वाला क्षेत्र बन गया है। इस बदलाव से भू–स्खलन का जोखिम बढ़ा है। 2018 के मानसून में भी खूब बारिश हुई थी, तब करीब 400 लोगों की जान चली गई थी। उसके बाद केरल में भू–स्खलन वाला क्षेत्र बढ़ गया है।

प्रथम दृष्टया इस तबाही को एक प्राकृतिक आपदा के रूप में वर्णित किया जा रहा है, लेकिन जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील इलाके और वन क्षेत्र को लगातार हुए नुकसान जैसे कारकों के प्रभाव को भी नकारा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर द्वारा जारी भूस्खलन के मानचित्र के अनुसार भारत के भूस्खलन की दृष्टि से सबसे अधिक संवेदनशील जिलों में दस जिले केरल में स्थित हैं। जिसमें वायनाड 13वें स्थान पर हैं।

वर्ष 2021 के एक अध्ययन के अनुसार केरल में सभी भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील इलाके पश्चिमी घाट में स्थित हैं। जिसमें इडुक्की, एर्नाकुलम, कोट्टायम, वायनाड, कोझिकोड और मलप्पुरम जिले शामिल हैं। जाहिर है इस चेतावनी को तंत्र ने गंभीरता से नहीं लिया।निस्संदेह, मौजूदा परिस्थितियों में जरूरी है कि विभिन्न राज्यों में ऐसी आपदाओं से बचाव की तैयारी करने और निपटने के लिये तंत्र को बेहतर ढंग से सुसज्जित करने के तौर–तरीकों पर भी युद्धस्तर पर काम किया जाए। यदि ऐसी आपदाओं से बचाव के लिये प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित कर ली जाती है तो जान–माल के नुकसान को कम किया जा सकता है।

विडंबना है कि केरल के मामले में ऐसा नहीं हो पाया है। इसमें दो राय नहीं कि हाल के वर्षों में देश में आपदा प्रबंधन की दिशा में प्रतिक्रियाशील तंत्र सक्रिय हुआ है और जान–माल की क्षति को कम करने में कुछ सफलता भी मिली है, लेकिन इस दिशा में अभी बहुत कुछ करना बाकी है। इसके साथ ही पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रभाव के बारे में विशेषज्ञों की चेतावनियों पर ध्यान देने की जरूरत है। जिसके लिये राज्य सरकारों की सक्रियता, उद्योगों की जवाबदेही और स्थानीय समुदायों की जागरूकता की जरूरत है।

जाने कितनी ही बार हमने 'ईश्वर के अपने देश' के रूप में केरल को देखा–सुना है। यह इसलिए भी क्योंकि प्रकृति ने इस राज्य को सौंदर्य के अनगिनत विशेषणों से अलंकृत किया है। यही वजह है कि केरल घरेलू पर्यटकों के लिए सबसे पसंदीदा जगह है। वायनाड में हुए भयावह भूस्खलन की तस्वीरों ने सबको इस कद्र बेचैन कर दिया है कि अब जरूरत उन कारणों की तलाश की हो गई है जिनकी वजह से यह विनाशलीला सामने आई।

ऐसी आपदाएं हमें सबक देती हैं कि भले ही हम कुदरत का कोहराम न रोक सकें लेकिन जन–धन की हानि को कम करने के प्रयास जरूर किये जा सकते हैं। वायनाड के इलाके में तमाम केंद्रीय व राज्य की एजेंसियां तथा सेना और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक राहत–बचाव कार्य में जुटे हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है और विस्थापितों को राहत शिविरों में पहुंचाया जा रहा है। साथ ही लापता लोगों को तलाशने का काम युद्ध स्तर पर जारी है। हालांकि, तेज बारिश व विषम परिस्थितियों से राहत कार्य में बाधा पहुंच रही है।

भारत में हर सरकार और नागरिक विकास चाहते हैं। उसके लिए जो निर्माण–कार्य किए जाते हैं, वे बेलगाम और अनियोजित हैं। खनन तक धड़ल्ले से कराया जाता है। पहाड़ को काटते–तोड़ते रहेंगे, तो ऐसे 'प्रलय' कैसे रोके जा सकते हैं? इस पर सोचना चाहिए। देश के अन्य हिस्सों से भी बरसाती कहर के समाचार आ रहे हैं। बिहार हर वर्ष बाढ़ के कहर से सहम जाता है। वहां पर हर वर्ष बड़ी तादाद में जान और माल का नुकसान होता है। इस कहर से बिहार को बचाने के लिए इस वर्ष के बजट में विशेष आर्थिक सहायता दी गई है। अन्य राज्यों को भी उदारता से साथ विशेष आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। खासकर हिमाचल पिछले वर्ष भी बुरी तरह प्रभावित हुआ था, और इस वर्ष भी बरसात का कहर उसने देखा है। उसे केंद्रीय मदद की सख्त जरूरत है।

वायनाड की त्रासदी का बड़ा सबक यह है कि हमें प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण ढंग से इस्तेमाल के प्रति नये सिरे से प्रतिबद्ध होना होगा। लेकिन विडंबना यह है कि विगत के वर्षों में वायनाड में कई बार हुई भूस्खलन की घटनाओं को राज्य शासन ने गंभीरता से नहीं लिया है। यह अच्छी बात है कि सभी राजनीतिक दलों व केंद्र तथा राज्य सरकार ने आपदा के प्रभावों से मुकाबले में एकजुटता दिखायी है। ऐसे मामलों में राजनीति होना ठीक भी नहीं है।

कोचिंग का कारोबार और जबाबदेही

—रजनीश कपूर—

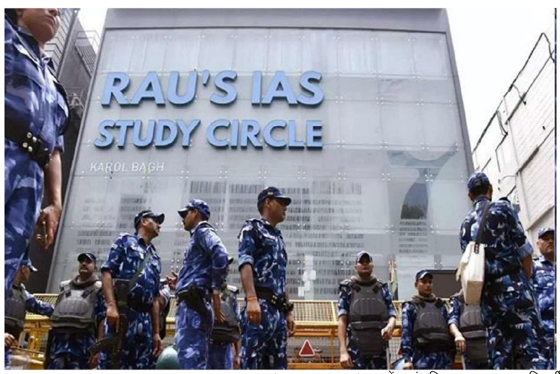

देश की राजधानी दिल्ली में कोचिंग सेण्टर में हुए हादसे ने सभी को हिला दिया है। जिसे देखो वह कोचिंग सैंटर के संचालकों पर उंगली उठा रहा है। जबकि ऐसे हादसों में केवल उनकी गलती नहीं होती। यह बात जग–जाहिर है कि हर एक कोचिंग सैंटर के साथ एक संगठित क्षेत्र जुड़ा होता है। फिर वह चाहे वहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों के रहने के लिए होस्टल व्यवस्था हो, भोजन व्यवस्था वाले हों, किताब की दुकानें हों या अन्य संबंधित व्यवस्था प्रदान करने वाले हों। परंतु जब भी कभी कोई हादसा होता है तो केवल कोचिंग सैंटर को ही कटघरे में क्यों लाया जाता है? क्या कोचिंग सैंटर चलाने की अनुमति प्रदान करने वाली एजेंसियां इसकी जिम्मेदार नहीं हैं?

दिल्ली के राजेंद्र नगर में हुए राओ का आई.ए.एस. स्टडी सेण्टर के हादसे के बाद से ही देश भर में कोचिंग सेण्टर चलाने वाली कई नामी संस्थाएं सवालों के घेरे में आ गई हैं। इन पर आरोप है कि ये नियम और कानून के अनुसार अपने कोचिंग सैंटर नहीं चलाते। एक–एक कक्षा में क्षमता से ज्यादा विद्यार्थी भर्ती कर लेते हैं। दिल्ली जैसे महानगर में देश के कोने–कोने से आए हुए विद्यार्थियों को छोटे–छोटे पिंजरों में रहने को मजबूर होना पड़ता है। दिल्ली के रिहायशी इलाकों की तंग गलियों में भी क्षमता से अधिक लोग दिखाई देते हैं। ऐसे में कोचिंग सैंटर और उनसे जुड़े अन्य उद्योग, जैसे कि 'पेइंग गैस्ट', होस्टल, किताब घर, छोटे–छोटे ढाबे आदि नियम और कानून की परवाह किए बिना अधिक से अधिक विद्यार्थियों की सेवा में लग जाते हैं।

यहां सवाल उठता है कि क्या ये सब रातों–रात हो जाता है? क्या स्थानीय पुलिस, नगर निगम आदि सोते रहते हैं? क्या इन सभी को कोई टोकता नहीं है? सबसे पहले बात करें पुलिस की। एक पुलिस अधिकारी से बात करने पर पता चला कि जैसे ही कोई अपने रिहायशी मकान में या नगर निगम द्वारा मान्यता प्राप्त दुकान में कुछ भी छेड़छाड़ करता है, तो पुलिस की जिम्मेदारी केवल नगर निगम को इत्तेलाह देने की होती है। इस इत्तेलाह की जानकारी पुलिस को अपने रोजनामचे में भी करनी चाहिए।

पुलिस के अनुसार यदि इत्तेलाह देने के बावजूद नगर निगम अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं करते तो पुलिस उसी हिसाब से रोजनामचे में एंट्री कर देती है। जब तक कि किसी भी तरह की कानून–व्यवस्था की समस्या न हो पुलिस अपनी सीमित जिम्मेदारी निभाती है। परंतु क्या ऐसा वास्तव में जमीनी स्तर पर होता है? अब बात करें नगर निगम की। क्या पुलिस द्वारा इत्तेलाह किए जाने पर निगम के अधिकारी 'उचित कानूनी कार्रवाई' करते हैं या देश भर के नगर निगमों में व्याप्त भ्रष्टाचार के मकड़ जाल का हिस्सा बन वे भी अनदेखी कर देते हैं। यदि कभी कार्रवाई करनी भी पड़े तो केवल औपचारिकता निभा कर छोटा–मोटा हथौड़ा चला देते हैं। परंतु वास्तविकता कुछ और ही है। करीब 30 वर्षों से एक निजी कोचिंग सैंटर चलाने वाले मेरे एक मित्र ने मुझे जो बताया वह हतप्रभ करने वाली जानकारी है।

उनके अनुसार जब भी और जहां भी एक कोचिंग सेण्टर खुलता है वहां एक पूरा तंत्र सक्रिय हो जाता है। इस तंत्र का हिस्सा हर वह व्यक्ति होता है जो कोचिंग सेण्टर के चलने के हर पहलू का ध्यान रखता है।भारत जैसे देश में जहां किसी भी क्षेत्र में अगर कोई कामयाब हो जाता है तो उस दिशा में भेड़–चाल शुरू हो जाती है। हमारे देश में विभिन्न एजेंसियों के अधिकारियों पर लापरवाही करने पर कड़ी सजा का प्रावधान क्यों नहीं है, जिससे सबक लेकर अन्य अधिकारी ऐसी गलती न करें? इस हादसे की यदि एक निष्पक्ष जांच हो तो सभी तथ्य सामने आ जाएंगे। यदि ऐसा होता है तो बरसों से चले आ रहे इस भ्रष्ट तंत्र का हिस्सा बने अधिकारी और नेताओं का भी भंडाफोड़ हो सकता है।

गौरतलब है कि देश की शिक्षा व्यवस्था में ऐसी क्या कमी है कि विद्यार्थियों को एक्स्ट्रा कोचिंग लेनी पड़ती है? स्कूल और कॉलेज के पाठ्यक्रम को ऐसा क्यों नहीं बनाया जाता कि जिस भी विद्यार्थी को सिविल सेवाओं या अन्य किसी विशेष सेवा में जाना हो तो उसे उसी के कॉलेज में वह शिक्षा मिले? यदि एक्स्ट्रा कोचिंग जरूरी हो तो भी तमाम कोचिंग सेण्टर को मौजूदा स्कूल और कॉलेजों में ही क्यों न चलाया जाए? यदि ऐसा किया जाए तो कोचिंग सेण्टर चलाने वालों को भी एक व्यवस्थित जगह मिल जाएगी और विद्यार्थियों को भी एक खुले वातावरण में पढने का मौका मिलेगा। मौजूदा कोचिंग सेण्टर में जहां प्रति कक्षा लगभग 500 विद्यार्थी बैठते हैं उस पर भी रोक लगेगी। अच्छे व काबिल शिक्षकों को भी रोजगार मिलेगा। यदि अतिरिक्त शिक्षक भर्ती न किए जा सकें तो आजकल के सूचना प्रौद्योगिकी के युग में एक नियंत्रित ढंग से उसी बिल्डिंग में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न कक्षाओं को एक साथ चलाया जा सकता है। यदि ऐसा होता है तो स्कूल, कॉलेज की छुट्टी होने पर दूसरी शिफ्ट में कोचिंग सेण्टर चलाए जा सकते हैं। इससे स्कूल, कॉलेजों को किराए के रूप में अतिरिक्त आय भी मिलेगी और कोचिंग सेण्टर वालों को सस्ते दर पर जमा–जमाया कोचिंग सेण्टर भी मिल जाएगा।

यदि ऐसे हादसों को रोकना है तो देश में नियम बनाने की जरूरत है जहां नियमों के तहत ही कोचिंग सेण्टर चल पाएं मन माने तरीके से नहीं। जिस तरह एक बड़ा अस्पताल, होटल या मॉल खुलता है तो उसे तमाम विभागों से अनुमति लेना अनिवार्य होता है। उसी तरह यदि सरकार चाहे तो कोचिंग सेण्टर के इस तंत्र को नियंत्रित कर सकती है। ऐसे में यदि कोचिंग सेण्टर और संबंधित एजेंसियां पारदर्शिता से अपना कर्तव्य निभाएं तो ऐसे हादसों पर काफी हद तक रोक लग सकेगी।

नजूल संपत्ति विधेयक और विरोध

—अंकित सिंह—

राज्य विधानसभा ने बुधवार को उत्तर प्रदेश नजूल संपत्ति (सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए प्रबंधन और उपयोग) विधेयक, 2024 को न केवल इंडिया गुट बल्कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों और सहयोगियों के कड़े विरोध के बीच मंजूरी दे दी। हालांकि, विधेयक को विधान परिषद की मंजूरी नहीं मिली और सत्ता पक्ष के प्रस्ताव पर इसे सदन की प्रवर समिति के पास भेज दिया गया। योगी सरकार के लिए सबसे बड़ी आश्चर्य की बात यह थी कि उसके अपने विधायकों ने सहयोगियों और विपक्ष के साथ विधेयक पर आपत्ति जताई थी।

उत्तर प्रदेश नजूल संपत्ति विधेयक, 2024 का उद्देश्य नजूल भूमि – जो सरकारी स्वामित्व वाली है, लेकिन सीधे राज्य संपत्ति के रूप में प्रबंधित नहीं की जाती है – को निजी स्वामित्व में बदलने से रोककर विनियमित करना है। इस विधेयक के तहत, नजूल भूमि को निजी व्यक्तियों या संस्थाओं को हस्तांतरित करने के लिए अदालती कार्यवाही या आवेदन रद्द और खारिज कर दिए जाएंगे, जिससे यह सुनिश्चित हो जाएगा कि ये भूमि सरकारी नियंत्रण में रहेगी। यदि भुगतान स्वामित्व परिवर्तन की प्रत्याशा में किया गया था, तो बिल जमा तिथि से भारतीय स्टेट बैंक की सीमांत निधि आधारित ऋण दर (एमसीएलआर) पर गणना की गई ब्याज के साथ रिफंड अनिवार्य करता है। इसके अतिरिक्त, विधेयक सरकार को अच्छी स्थिति वाले वर्तमान पट्टाधारकों के लिए पट्टे का विस्तार करने की अनुमति देता है, जो नियमित रूप से किराए का भुगतान करते हैं और पट्टे की शर्तों का पालन करते हैं। यह सुनिश्चित करता है कि आज्ञाकारी पट्टाधारक भूमि को सरकारी संपत्ति के रूप में बनाए रखते हुए इसका उपयोग जारी रख सकते हैं। विधेयक का उद्देश्य नजूल भूमि प्रबंधन को सुव्यवस्थित करना और अनधिकृत निजीकरण को रोकना है।

परिषद में गुरुवार को भोजनावकाश की कार्यवाही के बाद नेता सदन उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इस विधेयक को सदन के पटल पर रखा। मगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने इसे प्रवर समिति के सुपुर्द करने का प्रस्ताव रख दिया।

उन्होंने कहा कि उनका प्रस्ताव है कि इस विधेयक को सदन की प्रवर समिति के सुपुर्द कर दिया जाए जो दो माह के अंदर अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करे। इसके बाद सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने इस विधेयक को प्रवर समिति के सुपुर्द किए जाने के प्रस्ताव को ध्वनि मत से पारित घोषित कर दिया।

प्रयागराज से भाजपा विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी ने बुधवार को नजूल भूमि को निजी फ्रीहोल्ड में बदलने से रोकने वाले अपनी सरकार के विधेयक पर आपत्ति जताई। प्रयागराज जिले के एक अन्य भाजपा विधायक, सिद्धार्थ नाथ सिंह, विधेयक पर अपनी आपत्ति दर्ज कराने वाले दूसरे व्यक्ति थे, उन्होंने सुझाव दिया कि सुझावों पर विचार किया जाना चाहिए। सिंह ने कहा कि जिनके पास नजूल भूमि का वास्तविक स्वामित्व है, उन्हें अपने पट्टे का नवीनीकरण करा लेना चाहिए। वहीं, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के विधायक रघुराज प्रताप सिंह ने कहा कि यह बिल भले ही छोटा है, लेकिन इसके नतीजे बड़े हैं. उन्होंने कहा कि सिद्धार्थ नाथ सिंह और हर्षवर्धन पार्टी हित में इस बिल का विरोध कर रहे हैं।

तार जोड़ने के विवाद में ग्रामीण की हत्या

संवाददाता–गोण्डा। व्यक्तिगत रूप से लगवाए लकड़ी के खंभे में तार जोड़ने को लेकर हुई कहासुनी को लेकर दबंग ने ग्रामीण को पीट–पीटकर लहूलुहान कर दिया। ग्रामीण की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के बेटे की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज दिया है। घटना के पीड़ित परिवार में कोहराम मचा है। चिवरहा निवासी पाटनदीन ने थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि उसके पिता से बिजली केबल जोड़ने को लेकर एक अगस्त को गांव के विनय कुमार पुत्र राजकुमार से कहा–सुनी हुई थी। आरोप है कि उसके पिता बृजपाल (44)गुरुवार को रात में बन्धे से अपने घर ध्आ रहे थे, तभी बन्धे के पास पहले से ही घात लगाये बैठे विपक्षी ने लोहे के धारदार हथियार से मारने लगे। तेज आवाज सुनकर मां टार्च लेकर दौड़ते हुए घटनास्थल की ओर दौड़ीं। उन्हें आता देखकर विपक्षी भाग निकले। शोर मचाने पर गांव के कुछ लोग मौके पर आये। आनन फानन ने घायल को सामुदायिक सस्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने जिला मुख्यालय स्थित मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान बृजपाल की मौत हो गई। थानाध्यक्ष राजेश सिंह ने बताया कि मृतक के बेटे की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

किशोरी से रेप का आरोपी फंदे पर लटका, मौत

संवाददाता–गोण्डा। स्थानीय थाना अंतर्गत ग्राम सभा सिसई पूरे गुलालपुर में राहुल (21 वर्ष) पुत्र भुलई ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। उसने अपने पीछे एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है। घटना के विषय में बताया जा रहा है कि एक वर्ष पूर्व राहुल ने निकट के ही एक ग्राम सभा की नाबालिग किशोरी के साथ प्रेम संबंध बना लिया था। कुछ दिन बाद वह किशोरी को लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए अपहृत किशोरी को बरामद करते हुए मेडिको लीगल कराकर परिजनों को हवाले कर दिया तथा राहुल को जेल भेज दिया गया था। उसके खिलाफ रेप व पास्को एक्ट की धाराएं तामील की गई थी। प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र प्रताप राय ने बताया कि इस मुकदमे में युवक जमानत पर था। कुछ दिन से इस समय मुकदमे का ट्रायल चल रहा है जिसमें किशोरी ने आरोपी के खिलाफ बयान भी दिया था। इस वजह से युवक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी उसे सजा हो जाने का भय सता रहा था। उसने सुसाइड नोट में किशोरी के परिजनों पर आरोप लगाते हुए उनके ऊपर मुकदमा लिखने की बात लिखी है।

मदरसे के छात्रावास में छात्र की चाकू मारकर हत्या

संवाददाता–बलरामपुर। तुलसीपुर इटवा चौराहा स्थित जामिया नर्ईमिया आवासीय मदरसा में संदिग्ध परिस्थितियों में शुक्रवार सुबह सात बजे छात्र का शव कमरे में बरामद हुआ। छात्रों ने कमरे में शव पड़ा देखकर शोर मचाया तो पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस मदरसा शिक्षका व रूम मेट छात्रों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। हत्या किसने और क्यों की इस बात का पता पुलिस को नहीं चल सका है। एसपी और फोरेंसिक टीम ने मामले की जांच की है। थाना कोतवाली जरवा के भगवानपुर निवासी 12 वर्षीय अयान ने इटवा चौराहा स्थित जामिया नर्ईमिया आवासीय मदरसा में कक्षा दो में एडमिशन करवाया था। इस मदरसे आवासीय संचालन की अनुमति नहीं मिली है। मदरसा में आवासीय संचालन फर्जी रूप से चल रहा है। अयान के भाई फरहान ने बताया कि बड़े भाई कमरा नम्बर 15 में सोता था। फरहान ने अयान को गुरुवार रात कमरा नम्बर 12 में सोने के लिए कहा था। उसके साथ इस्माइल, वकील रात में सोये थे। सुबह उठकर देखा कि किसी ने चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी थी। प्रबंधक अतहर फिरोज की सूचना पर पुलिस टीम मामले की पड़ताल करने आई। छात्रों ने बताया कि कमरे में कोई खून बिखरा नहीं था। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे एसपी विकास कुमार व थानाध्यक्ष अशोक सिंह ने जांच पड़ताल शुरू की। जांच के लिए फोरेंसिक टीम बुलाई गई। छात्र की आंत बाहर पड़ी थी। पुलिस टीम ने कमरे को कब्जे में ले लिया, वहां किसी के आने–जाने पर रोक लगा दी गई। फरहान ने बताया कि कमरे की सिटकनी अंदर से बंद नहीं होती थी। फरहान ने अयान से कहा था कि वह कमरा नम्बर–12 में सो जाए। इसके बाद अयान कमरा नम्बर–12 में सो गया था। मदरसे में 276 बच्चे पंजीकृत हैं जिसमें 80 बच्चे आवासीय विद्यालय में रहते थे। कमरे में इस्माइल, वकील व फरहान मौजूद थे। घटना की जानकारी उन्हें सुबह हो पाई। पुलिस कुछ मदरसा शिक्षकों व छात्रों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मदरसे का सीसीटीवी कैमरा गुरुवार शाम 4रू30 बजे खराब हो गया था। शुक्रवार सुबह आठ बजे कैमरा अपने आप चलने लगा। पुलिस का मानना है कि मदरसा में ही किसी ने छात्र की हत्या की है। इस्माइल व वकील कुछ बताने को तैयार नहीं हैं। कमरे में खून फैला नहीं था। इससे प्रतीत होता है कि अयान का कत्ल कमरे में न करके किसी अन्यत्र स्थान पर किया गया है। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार व प्रभरी निरीक्षक अशोक सिंह ने मामले की जांच की है। एसपी का कहना है कि 24 घंटे के अन्दर कत्ल की घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

पुलिस लाइन परिसर में किया गया पौधरोपण

संवाददाता–श्रावस्ती। एसपी के नेतृत्व में शुक्रवार को पुलिस लाइन में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें एसपी समेत अन्य पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने पौधरोपण किया। साथ ही पेड़ के महत्व बताए गए।

पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया व पुलिस लाइन के समस्त पुलिस कर्मियों ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर सहजन, साखू,अमरूद समेत अन्य प्रजातियों के 100 फलदार वृक्षों का रोपण किया। एसपी ने कहा कि वर्तमान में मानव जीवन पर पर्यावरण प्रदूषण सबसे बड़ा संकट बना हुआ है। ऐसे में आने वाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण को अनुकूल बनाने में हर व्यक्ति को अपने आसपास एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए। कहा कि मानव और पर्यावरण एक दूसरे के पूरक हैं। दिन प्रतिदिन पृथ्वी से वृक्षों की संख्या कम होने से लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। हमारी बुरी आदतें जैसे बेवजह पानी बर्बाद करना, पॉलिथीन का प्रयोग करना, वृक्षों को काटना आदि से पर्यावरण प्रभावित हो रहा है। हमें पेड़ लगाकर उनकी सुरक्षा करनी चाहिए। इससे हमारा पर्यावरण संरक्षित होगा। इस मौके पर प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार, वाचक पुलिस अधीक्षक अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

छात्र हत्याकाण्ड में दोषियों के गिरफ्तारी की मांग, एसपी कार्यालय पर प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। छात्र हत्याकांड में अभियुक्तों की गिरफ्तारी नहीं होने पर आक्रोशित परिजन और ग्रामीणों ने शुक्रवार को एसपी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने बल प्रयोग कर कार्यालय से बाहर किया। इसके बाद परिजनों ने एसपी से मुलाकात कर गिरफ्तारी की मांग किया। भलुअनी थाना क्षेत्र के ग्राम पड़री गुर्राव निवासी आदर्श गुप्ता की हत्या बुधवार को चाकू से गोद कर दी गई थी। हत्याकांड के दो दिनों बाद भी अभियुक्तों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इससे परिजनों में आक्रोश है। नाराज परिजनों ने हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शुक्रवार को एसपी कार्यालय पहुंचे और हंगामा करते हुए प्रदर्शन करने लगे। यह देख पुलिस ने लाठी भांज कर प्रदर्शन कर रहे लोगों को परिसर से बाहर खदेड़ा। इसके बाद परिवार के सदस्य सपा नेता धर्मवीर गुप्ता के साथ एसपी से मुलाकात किया। एसपी से अभियुक्तों की गिरफ्तारी की मांग किया। उधर प्रदर्शनकारियों ने पुलिस द्वारा मारपीट करने का आरोप लगाया है।

आशा व संगिनी से न लिया जाय हर घर जल योजना का कार्य

संवाददाता–श्रावस्ती। आशा व आशा संगिनी संघ की ओर से एसडीएम को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन के माध्यम से आशा व आशा संगिनियों से हर घर जल योजना का कार्य न लिए जाने की की मांग की।

आशा व आशा संगिनी संघ जिला महामंत्री उमा मिश्रा की अगुवाई में शुक्रवार को इकौना तहसील में काम कर रही आशा व आशा संगिनी कार्यकत्रियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन इकौना एसडीएम ओम प्रकाश को ज्ञापन सौंपा। महामंत्री उमा मिश्रा ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की ओर से जो भी दिशा निर्देश हम सभी आशाओं को दिया जाता है। उसका निष्ठा पूर्वक पूरी तन्मयता के साथ पूरा करती हैं। ग्रामीण इलाकों व नगरीय क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं को उनके घर से बुलाकर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराई जाती है। प्रसव पीड़िताओं को एंबुलेंस की मदद से स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचा कर प्रसव कराने का कार्य भी करती है व प्रसव के बाद जच्चा बच्चा को सुरक्षित पहुंचा कर कर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराई जाती है। टीकाकरण क्षेत्र में स्वास्थ्य कार्यकर्ता अहम भूमिका निभाती हैं। विभागीय कार्यों से समय नहीं मिलता है। ऐसे में अन्य विभाग के कार्य कर पाना संभव नहीं है। इसलिए हर घर जल जीवन मिशन से हम आशाओं को दूर रखा जाए। हम सभी आशा बहनों का शोषण न किया जाए। इस मौके पर आईसीसी एडवोकेट दिलीप कुमार शर्मा, ब्लाक अध्यक्ष किरण वर्मा, मीरा देवी, सुशीला, पूनम शुक्ला, राधा चौहान, कुसमावती, गीता देवी, सुमन सिंह, रेखा मिश्रा, गौरी मिश्रा, तुलसी मिश्रा, संगीता श्रीवास्तव, कमलेश श्रीवास्तव आदि मौजूद रही।

ई–रिक्शा चालकों का शहर में प्रदर्शन

संवाददाता–बलरामपुर। ई–रिक्शा संचालन का ठेका उठाए जाने व प्रतिदिन बीस रुपए की वसूली से नाराज ई–रिक्शा चालकों ने शुक्रवार को शहर में घूम–घूमकर प्रदर्शन किया। कई जगहों पर जाम की स्थिति बनी रही। चालकों ने ई–रिक्शा लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। वहीं ई–रिक्शा के हड़ताल से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

ई–रिक्शा चालकों ने शुक्रवार को गोंडा, तुलसीपुर व बहराइच रोड पर चक्का जाम कर प्रदर्शन किया। राजू, वारिस अली, सरफराज, महेश, डब्बू, दिलशाद आदि ई–रिक्शा चालकों ने नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और अपनी मांगों के समर्थन में ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ई–रिक्शा चालकों के चक्का जाम के कारण जगह–जगह जाम की समस्या उत्पन्न हो गई। इससे लोगों को आवागमन करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

लोक संपत्ति क्षति निवारण एक्ट का वांछित गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में पुलिस ने एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया। शुक्रवार को हरदत्त नगर गिरंट थाने के थानाध्यक्ष शैलकान्त उपाध्याय टीम के साथ क्षेत्र में वांछितों की धरपकड़ के लिए भ्रमण कर रहे थे। इस दौरान पुलिस टीम ने लोक संपत्ति क्षति निवारण एक्ट के वांछित आरोपी फरमान पुत्र नजरू निवासी मदारागढ़ी थाना मटेरा जनपद बहराइच को कमला तिराहे से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को थाने लाकर जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष के साथ उपनिरीक्षक जितेन्द्र राय, मुख्य आरक्षी प्रभुनाथ यादव शामिल रहे।

राजस्व निरीक्षक को विजिलेंस की टीम ने 25 हजार की रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

संवाददाता–बहराइच। मिहींपुरवा तहसील क्षेत्र में तैनात राजस्व निरीक्षक को शुक्रवार दोपहर में विजिलेंस टीम ने घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद टीम उन्हें अपने साथ लेकर चली गई है। इससे राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया है। शुक्रवार को तहसील में राजस्व विभाग की मीटिंग चल रही थी। इसी दौरान राजस्व निरीक्षक अशोक कुमार श्रीवास्तव के मोबाइल पर एक क्लाइंट का फोन आया। मीटिंग समाप्त होने के बाद राजस्व निरीक्षक अपने आवास चले गए। आवास पहुंचते ही वहां पर क्लाइंट ने राजस्व निरीक्षक को काम करवाने के लिए 25 हजार रूपये घूस दिया। घूस लेते ही अयोध्या विजिलेंस की टीम ने राजस्व निरीक्षक को गिरफ्तार कर लिया। संबंधित थाना क्षेत्र में सूचना देने के बाद विजिलेंस टीम राजस्व निरीक्षक को अपने साथ लेकर चली गई। मामले में तहसीलदार अंबिका चौधरी ने बताया कि राजस्व निरीक्षक मीटिंग के बाद घर गए इसके बाद अचानक क्या हुआ यह जानकारी नहीं है। हालांकि, कोतवाली नानपारा में विजिलेंस टीम राजस्व निरीक्षक से पूछताछ कर रही है।

ढोंढरी व जमालीजोत पर बढ़ा कटान का खतरा

संवाददाता–बलरामपुर। जलस्तर बढ़ने के बाद राप्ती ने तेजी से कटान शुरू कर दी है। सदर तहसील के ढोंढरी व जमालीजोत गांव पर कटान का खतरा अधिक बढ़ गया है। पिछले वर्ष दो करोड़ की लागत से कटान को रोकने के लिए बनाया गया तटबंध लगातार नदी में समाता जा रहा है। नदी से गांव की दूरी मात्र 30 मीटर बची है। यदि कटान का यही हाल रहा तो दो दिनों में ढोंढरी एवं जमालीजोत गांव के दर्जनों घर नदी में समा जाएंगे। शुक्रवार को ढोंढरी व जमालीजोत गांव के दर्जनों लोगों ने सदर एसडीएम से मिलकर गांव को कटान से बचाने की गुहार लगाई है। राप्ती नदी तटवर्ती गांव पर हर साल कटान करके कहर बरबाती है। राप्ती के तट पर बसे गांव को हर साल कटान का दंश झेलना पड़ता है। सदर तहसील के एक दर्जन से अधिक गांव नदी के तट पर बसे हुए हैं। इन गांवों पर कटान का खतरा बढ़ा हुआ है। इस बार बरसात शुरू होते ही नदी ने तटवर्ती गांव के पास कटान शुरू कर दी है। पिछले एक सप्ताह से ढोंढरी, जमालीजोत, बेला, करमहना, टेंगनहिया मानकोट, बेलवा सुल्तानजोत गांव के पास नदी कटान कर रही है। दो दिन पहले जलस्तर बढ़ने के बाद नदी ने तेजी से कटान शुरू कर दी। ढोंढरी व जमालीजोत गांव पर कटान का खतरा बढ़ गया है। गांव से मात्र 30 मीटर की दूरी पर नदी कटान कर रही है। जमालीजोत गांव के लोग कटान को रोकने के लिए नदी ने झाड़ी झंखार डाल रहे हैं। ढोंढरी गांव के पास कटान को रोकने के लिए बनाया गया तटबंध दो दिनों से नदी में समा रहा है। लगातार हो रहे कटान को रोकने के लिए ग्रामीणों ने कई बार उच्चाधिकारियों से गुहार लगाई, लेकिन बाढ़ खंड के अधिकारियों पर कोई असर नहीं हुआ। ग्रामीणों की मानें तो कटान को रोकने के लिए प्रशासन की ओर से अब तक कोई उपाय शुरू नहीं किया गया है। शुक्रवार ढोंढरी के ग्रामीणों ने सदर एसडीएम से मिलकर कटान को रोकने की गुहार लगाई। सदर एसडीएम ने बाढ़ खंड के जिम्मेदारों से वार्ता कर कटान रोधी कार्य शुरू कराए जाने का आश्वासन दिया है। ढोंढरी गांव के पास पिछले वर्ष दो करोड़ की लागत से तटबंध बाढ़ खंड ने बनाया था।

ग्रामीणों का आरोप है कि मानक विहीन तटबंध बनाए जाने से कटान को रोक पाने में बाढ़ खंड असफल रहा। इस बार जलस्तर बढ़ने के बाद से नदी ने तटबंध पर तेजी से कटान शुरू कर दी है। तटबंध का लगभग आधा हिस्सा नदी में समा गया है।

अयोध्या से हजारों की संख्या में पहुंचे कांवड़िए, की पुष्प वर्षा

संवाददाता–बलरामपुर। सावन माह के तेरस के दिन अयोध्या धाम से सरयू का जल लेकर आए कावड़ियों का भव्य स्वागत किया गया। हजारों की संख्या में जैसे ही कावड़ियों का जत्था सादुल्लाह नगर के मुबारक मोड़ चौराहे पर पंहुचा तो हर–हर महादेव, बम–बम भोले के जयकारे से नगर गुंजायमान हो उठा और सादुल्ला नगर भोलेनाथ के रंग में रंग गया। जिसको लेकर नगर वासियों में अलग ही उत्साह देखने को मिला। नगर वासियों ने फूलों की वर्षा कर कांवड़ियों का स्वागत किया। कांवड़ उठाए कांवड़िए भोले बाबा की मस्ती में लीन दिखे।

अयोध्या धाम से सरयू का जल भरकर पैदल यात्रा कर आए कावड़िए जब श्री सिद्धेश्वरनाथ मंदिर परिसर में पहुंचे तो श्री सिद्धेश्वर नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता, व्यापार संघ अध्यक्ष दीप चंन्द जायसवाल के मार्गदर्शन में मंदिर के व्यवस्थापकों व सदस्यों ने कावड़ियों पर पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। भक्तों का हुजूम मंदिर के द्वार पर उमड़ पड़ा। जहाँ उन्हें फूल माला व रोली चंदन लगाकर सम्मानित किया गया। बताते चलें कि कावड़ यात्रा को लेकर सुबह से ही मंदिर परिसर में विशेष तैयारियां की जा रही थीं। मंदिर को रंग–बिरंगी रोशनी और फूलों से सजाया गया था, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया था। कावड़ यात्रियों के स्वागत के लिए कई प्रकार की व्यवस्थाएं की गई थीं। श्रद्धालुओं को भोजन, नाश्ता, ठंडा पानी का वितरण किया गया। कावंरिया सघं के अध्यक्ष ने बताया कि यह आयोजन हर साल किया जाता है और यह श्रद्धालुओं की भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक है। जिसमें क्षेत्र के सादुल्ला नगर, अहरौला, मद्दोभट्ठा, रंकीबदलपुर, मीरपुर, अलाउद्दीनपुर, खारिक मासूमपुर, गूमा फातिमाजोत, कम्मरपुर, मुंडामाफी, जाफरपुर, रहमतपुर, धुसवा बाजार, रामपुर अरना, भुजैनिकभार आदि क्षेत्र के हजारों की संख्या में कांवड़िया भक्त शामिल होते हैं। गूमा फातिमा के प्रधान रमेश गुप्ता ने कहा यह गर्व की बात है कि हम सभी इन भक्तों की सेवा कर सकते हैं। इनका यहां आना हम सबके लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं है। समारोह के अंत में सभी कांवड़ियों ने भगवान श्री सिद्धेश्वर नाथ के दर्शन किए और अपनी यात्रा की सफलता के लिए प्रार्थना की। इस आयोजन ने न केवल कावड़ यात्रियों को ऊर्जा प्रदान हुई बल्कि स्थानीय लोगों में भी एकता और सहयोग की भावना को बढ़ावा भी मिला। कांवरियों का जत्था श्री सिद्धेश्वर नाथ मंदिर व क्षेत्र के शिव मंदिरो पर जलाभिषेक कर देश व परिवार की खुशहाली का आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर रमेश चंद तिवारी, विष्णु गुप्ता, दीपू जायसवाल, राम देव, जग प्रसाद गुप्ता, रमेश जायसवाल, राम बहोर वर्मा, रमेश गुप्ता, जवाहिर लाल, हनुमान शुक्ल, अरविंद, गुलाब, किशन जायसवाल, अशोक गुप्ता, राम अवध, राहुल, अवधेश गुप्ता, संतोष कुमार व आशीष गुप्ता मौजूद रहे। सुरक्षा की दृष्टि से थाना प्रभारी रेहरा ओपी चौहान सहित अन्य महिला व पुरुष आरक्षी तैनात रहे। श्री सिद्धेश्वर नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता ने सभी बंधुओ का तन मन धन से सहयोग करने के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

शिव मन्दिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की आस्था

संवाददाता–गोंडा। सावन माह की मास शिवरात्रि पर पौराणिक पृथ्वीनाथ मंदिर और गोंडा शहर के दुखहरण नाथ मंदिर कपाट खुलने से पहले ही श्रद्धालुओं की लाइनें लगने लगीं। भोर से ही महिलाओं व पुरुषों भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने बारी–बारी से जलाभिषेक किया। सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम रहा। एएसपी पूर्वी मनोज कुमार रावत ने भी व्यवस्था का जायजा लिया। वैसे तो सावन के सोमवार को पृथ्वीनाथ मंदिर पर अपार भीड़ होती है, लेकिन शुक्रवार को मास शिवरात्रि का योग होने से भोर से पूरा मंदिर परिसर बाबा भोले के उदघोष से भक्तिमय हो गया। जलाभिषेक का कार्यक्रम पूरा दिन चला। शिवभक्तों में जलाभिषेक को लेकर काफी उत्साह रहा बाबा भोले नाथ के शिवलिंग स्पर्श को लेकर होड़ लगी रही। गर्भगृह में पुलिस की ओर से श्रद्धालुओ को जलाभिषेक के बाद आगे बढ़ने के लिए बार बार अपील करते देखा गया। उमस भरी गर्मी होने के कारण गर्भ गृह में सुरक्षा व्यवस्था के लगे पुलिस कर्मी परेशान रहे। मेला परिसर में लगे बच्चों के लिए रेलगाड़ी, झूला, जंपिंग किट आदि का बच्चों ने खूब आनंद लिया। सुरक्षा व्यवस्था में लगे खरगूपुर पुलिस, इटियाथोक पुलिस व आरपीएफ जवानों सहित प्रभारी निरीक्षक कमलकांत तिवारी से एएसपी मनोज कुमार रावत सुरक्षा को बारीकी से जानी व आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मनबढ़ों ने दुकानदार पर किया धारधार हथियार से हमला

संवाददाता–देवरिया। मनबढ़ों ने एक दुकानदार पर धारधार हथियार से हमला कर मरणासन्न कर दिया। घायल दुकानदार को देवरहवा बाबा मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। दुकानदार की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मामले में अभी मुकदमा दर्ज नहीं किया है। पुलिस को तहरीर का इंतजार है। मनबढ़ों के इस कारनामें से स्थानीय दुकानदरों में रोष है।

सुरौली थाना क्षेत्र के पैकौली निवासी रमाशंकर कन्नौजिया (46) पुत्र रामधारी कन्नौजिया का सुरौली पैकौली बाजार में प्रेस व लाउंड्री की दुकान है। शाम साढ़े सात बजे को लगभग दुकान पर बैठे थे। इसी बीच पैकौली निवासी दो मनबढ़ युवक दुकान पर आए और किसी बात को लेकर उलझ गए। बातचीत के दौरान मनबढ़ों ने रमाशंकर पर धारधार हथियार से हमला कर दिया। हमले से रमाशंकर गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। आसपास के मौके पर दौड़े तो हमलावर भाग निकले। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर पंहुची पुलिस ने रमाशंकर को देवरहवा बाबा मेडिकल कालेज में इलाज के लिए भेजा। गंभीर हालत देख डाक्टरों ने रमाशंकर को भर्ती कर लिया। रमाशंकर की हालत गंभीर बनी हुई है। नाक की हड्डी टूट गई है और चेहरे और शरीर के अन्य भागों में गहरा घाव हो गया है। मनबढ़ों के इस कृत्य से दुकानदरों में रोष है।

थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि कुछ मनबढ़ों ने एक दुकानदार पर हमला किया है। मेडिकल कालेज में उसका इलाज चल रहा। तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

डीएम ने औचक निरीक्षण के दौरान दो को किया पुलिस के हवाले

संवाददाता–बलरामपुर। डीएम ने जिले में संचालित विभिन्न विभाग के कार्यालय में दलालों के प्रवेश को रोकने के लिए शुक्रवार को अपने अभियान के तहत उपनिबंधक और डीआईओएस कार्यालय का गेट बंद कराकर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां पर मौजूद बाहरी व्यक्तियों से पूछताछ की। कार्यालय में आने का उचित कारण ना बता पाने पर दो बाहरी व्यक्ति विनोद कुमार , विशाल तिवारी को पुलिस के हवाले कर दिया।

डीएम पवन अग्रवाल ने सरकारी कार्यालयों को मध्यस्थतों दलालों से मुक्त रखने एवं सरकारी कार्यालयों में जनमानस को बेहतर माहौल प्रदान किए जाने के अभियान के तहत कार्यालय उपनिबंधक तथा डीआईओएस का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उप निबंधक कार्यालय में मौजूद बाहरी व्यक्तियों से पूछताछ की एवं कार्यालय में आने का उचित कारण ना बता पाने पर दो बाहरी व्यक्ति विनोद कुमार , विशाल तिवारी को पुलिस के हवाले कर दिया। उन्होंने उप निबंधक कार्यालय में रजिस्ट्री कराने आए जनमानस से वार्ता की एवं किसी प्रकार का टोकन अथवा पैसा तो नहीं मांगा जा रहा। इसकी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कड़े निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की अवैध वसूली पर चाहे वह कर्मचारी हो या बाहरी व्यक्ति हो उसके खिलाफ कड़ी विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने उपस्थिति पंजिका का अवलोकन करते हुए सभी पटलों के कार्यों का निरीक्षण किया एवं रजिस्ट्री, स्टांप फीस के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सहायक निबंधक को निर्देश दिया कि कार्यालय को बाहरी व्यक्तियों एवं दलालों से मुक्त रखा जाए , कोई भी कर्मचारी बाहरी व्यक्तियों दलालों के साथ कोई भी संलिप्तता नहीं रखेगा। रजिस्ट्री के लिए आने वाले लोगों का कार्य नियमानुसार सुगमता एवं सुलभता के किया जाए। जनमानस की सुविधा के लिए स्टांप फीस के बारे में पूरी जानकारी का बैनर आदि लगवाए जाने साफ सफाई की समुचित व्यवस्था अभिलेख एवं पत्रावलियों का बेहतर ढंग से रखरखाव का निर्देश दिया।

डीएसओ कार्यालय का औचक निरीक्षण, कोई भी पत्रावली लंबित न रहने के निर्देश

डीआईओएस कार्यालय का औचक निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थिति पंजिका का अवलोकन एवं विभिन्न पटलो के कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिया कि कोई भी पत्रावली लंबित न रहे सभी का प्राथमिकता के साथ निस्तारण किया जाना सुनिश्चित किया जाए। कार्यालय परिसर में समुचित साफ सफाई रखे जाने, रंग रोगन कराए जाने अभिलेख एवं पत्रावलियों के बेहतर रखरखाव का निर्देश दिया।

संसद में राहुल पर हुई टिप्पणी से भड़के कांग्रेसी, फूंका पुतला

संवाददाता–महराजगंज। संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर हुई टिप्पणी के विरोध में शुक्रवार को कांग्रेसी सड़क पर उतर गए। कांग्रेस किसान नेता राजू कुमार गुप्ता के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निचलौल में प्रदर्शन करने के बाद भाजपा नेता अनुराग ठाकुर का पुतला फूंका। जमकर नारेबाजी करते हुए इस मामले में कार्रवाई की जरूरत जताई।

कार्यकर्ता निचलौल कैंप कार्यालय घोड़हवा से केंद्र सरकार के खिलाफ नारा लगाते हुए घोड़हवा चौराहे पर पहुंचे, जहां अनुराग ठाकुर का पुतला फूंका गया। कांग्रेस किसान नेता राजू कुमार गुप्ता ने कहा कि देश के सबसे बड़ी पंचायत संसद में सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के प्रति जिस भाषा का प्रयोग करके अपनी ओछी मानसिकता का परिचय दिया गया है, वह गलत है। सत्तापक्ष के नेताओं द्वारा विपक्ष के नेताओं के प्रति इस मानसिकता की घोर निंदा की जानी चाहिए। इस दौरान शिव शंकर पासवान जिला उपाध्यक्ष, राजाराम साहनी, जावेद अंसारी जोगिंदर भारती, कोमल भारती, सोनू, रेखा यादव, सुनीता, निर्मला आदि मौजूद रहे।

मुआवजे को भाकियू राधे ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–गोण्डा। भारतीय किसान यूनियन राधे के बैनर तले शुक्रवार को लोगों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। मांग की कि कटराबाजार नरायनपुर कला के इसरार अहमद के साथ अन्याय हुआ है। उसे न्याय मिले, कई तहसील क्षेत्रो में दबंगो ने गरीबों की जमीनों पर कब्जा कर रखा है। बीते तीन मार्च को दुरौनी बहुवन मदार मरचौर पसका, नदौर, सकरौर, राजासिंह पुर विशुनपुर कला के किसानों की फसलें ओलावृष्टि से बर्बाद हुई थीं। पीड़ित किसानों को मुआजवा दिया जाएगा। मण्डल अध्यक्ष चंद्रभान सिंह के साथ दिनेश सिंह, अमीन, तुलसीराम, इसरार, पुत्तन, नौशाद, कृष्ण कुमार, शिवकुमार, मो आरिफ, रामसुन्दर, राजू, नीलम सिंह, प्रेमा देवी, गुल्लू,रमेश, कृपाशंकर आदि रहे।

धान के खेत में मिला नर कंकाल ग्रामीणों को हत्या की आशंका

संवाददाता–गोंडा। तालाब के बगल गन्ने के खेत से सटे धान के खेत में नर कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक 20 से 25 दिन पुराना यह कंकाल है। ग्रामीणों को इस बात की आशंका सता रही है। जिले के खोडारे थाना के गांव बभनजोत के पाठानडीह में शुक्रवार की सुबह खेत का पानी सूख जाने के बाद ग्रामीणों ने धान के खेत में नर कंकाल पड़ा हुआ देखा।

ग्रामीणों के मुताबिक यह 20 से 25 दिन पुराना शव है। जो अब कंकाल में तब्दील हो गया है। उसके पहनावा से यह लगता है कि यह किसी महिला का कंकाल है। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ दिन पहले हुई भारी बरसात के कारण तालाब और खेत एक समान हो गए थे। ऐसे में आशंका व्यक्त की जा रही है। कि यह शव पानी के साथ बहकर कही से आया होगा। थानाध्यक्ष सर्वजीत गुप्ता ने बताया कि शुक्रवार की सुबह पुलिस को सूचना मिली कि एक शव खेत में पड़ा हुआ है। वहां तत्काल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो नर कंकाल को खेत से बाहर निकाला गया। आसपास के लोगों से उसके पहचान की कोशिश की गई।

तेज रफ्तार कार ने छह को रौंदा, दो की मौत, दो गंभीर

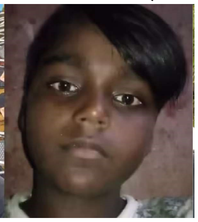

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। इटवा थानांतर्गत ग्राम दुफेडिया में एक तेज गति कार ने छह लोगों को रौंद दिया। सभी किशोर और युवक थे। दो को हल्की चोटें आई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें दो की मृत्यु हो गई। घटना गुरुवार रात करीब 11 बजे की है। इटवा–बेलवा मार्ग पर दुफेडिया गांव कुछ युवक और किशोर गर्मी के चलते टहलते हुए सड़क की पटरी बैठे हुए थे। तभी अनियंत्रित तेज रफ्तार में कार आई और सभी को रौंदते हुए चली गई। घटना के बाद अफरा तफरी मच गई। कुछ गाड़ी का पीछा किए। जबकि घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटवा में भर्ती किया गया। घटना के बाद चालक गाड़ी लेकर सीधे इटवा थाने पर आ गई। यहां भारी भीड़ पहुंच गई। हर कोई आक्रोशित दिखा। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देते हुए सभी को शांत किया।

उधर अस्पताल लाए गए 16 वर्षीय जोगेन्द्र पुत्र विश्वनाथ, 25 वर्षीय जीतू पुत्र घनश्याम, 20 वर्षीय प्रमोद सोनी पुत्र राज सोनी व 20 साल के ही जितेंद्र कुमार पुत्र कृष्णा को प्रथम उपचार के दौरान डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला मुख्यालय स्थित मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। रास्ते मे जोगेंद्र और जीतू की मृत्यु हो गई। घटना में अमीन व महेंद्र को हल्की चोटें आई। किशोर और युवक की मृत्यु पर उनके परिवार में कोहराम मच गया। प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव ने बताया दुर्घटना में दो की मृत्यु हुई है। कार कब्जे में और चालक हिरासत में लिया गया है। मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

भारतभारी सागर में डूबने से किशोर की मौत

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के अमौना निवासी शिवम यादव (12) पुत्र फूलचंद यादव की भारतभारी सागर में स्नान करने के दौरान शुक्रवार को डूब जाने से मृत्यु हो गई। पुलिस ने पंचनामा कर शव परिजनों को सौंप दिया। शिवम परिजनों के साथ भारतभारी दर्शन करने गया था। वह सागर में स्नान करने लगा। स्नान करते समय गहरे पानी में जा कर डूबने लगा। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बाहर निकाला। इस दौरान मौजूद पुलिस व डुमरियागंज के पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह शिवम को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेवा ले गए जहां डॉक्टरों ने मृत्यु घोषित कर दिया। मौके पर डुमरियागंज एसडीएम संजीव कुमार दीक्षित भी पहुंच गए थे। परिजन पोस्टमार्टम नहीं चाहते थे इससे पुलिस ने शव का पंचनामा कर सौंप दिया।

नई नजूल नीति से अयोध्यावासी बेचैन, लोगों ने फ्री होल्ड के लिए रुपए जमा कर पा लिया था जमीन पर कब्जा

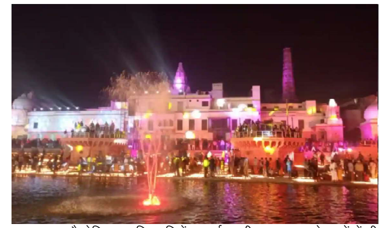

संवाददाता—अयोध्या। प्रदेश सरकार की ओर से एक दिन पहले पारित नजूल 2024 से सम्बन्धित विधेयक से अयोध्या वासियों में बेचैनी है। इनमें अधिकांश वह लोग शामिल हैं जिन्होंने कल्याण सरकार की फ्री होल्ड नीति के तहत नजूल के पट्टे द्वारों को पर्याप्त धनराशि देकर स्वयं अथवा परिवार के सदस्यों को नामित कराया था। इन लोगों ने नीति के अनुसार प्रश्नगत जमीन के एवज में एक चौथाई धनराशि सरकारी कोष में जमा करा कर जमीन पर कब्जा प्राप्त किया। यहीं नहीं जमीन पर आवास या वाणिज्यिक काम्प्लेक्स खड़ा कर लिया लेकिन उनकी जमीन फ्री होल्ड नहीं हो पाई।

इन्हें उम्मीद थी कि प्रदेश सरकार दोबारा फ्री होल्ड नीति घोषित करेगी लेकिन विधेयक में फ्री होल्ड के बजाय लीगल पट्टे के नवीनीकरण की व्यवस्था दी गई जबकि वास्तविकता यह है कि लीगल पट्टेदार मुट्ठी भर भी नहीं होंगे। उसका सबसे बड़ा कारण है कि अधिकांश पुराने पट्टेदारों का कृषि पट्टा था जिसकी अवधि दस वर्ष थी। अवधि समाप्त होने के बाद गिनती के लोगों ने नवीनीकरण कराया। बाकी के परिजन पट्टे की भूमि पर काबिज रहे। कल्याण सरकार की फ्री होल्ड नीति में अधिकांश कृषि पट्टों की भूमि को ही आवासीय उद्देश्य से फ्री होल्ड कराया गया है लेकिन आरम्भिक दिनों में अधिकतम जमीनें फ्री होल्ड के तहत रजिस्ट्री की गई जबकि बाद में एक–एक पत्रावली पर शासन की अनुमति के बाद ही फ्री होल्ड की कार्यवाही शुरू हुई। इसके कारण अधिकांश लोग फंस गये।

नजूल भूमि पर बसे सैकड़ों परिवार पहले ही अलग–अलग योजनाओं की भेंट चढ़ चुके हैं। पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर ब्रह्मकुंड गुरुद्वारा के निकट दर्जनों परिवारों को बेदखल होना पड़ा। कजियाना मोहल्ले में मुख्यमंत्री आवास योजना में भी दर्जनों परिवारों को बेदखल होना पड़ा था। वह भी तब जबकि परिवारों के सदस्यों ने नजूल भूमि के फ्री होल्ड के लिए एक चौथाई धनराशि जमा कर जमीन पर कब्जा लिया था लेकिन उनकी पत्रावली को शासन की मंजूरी नहीं मिल पाई। यही हाल अन्य मोहल्लों में भी है। अब इन लोगों के सामने सबसे बड़ा संकट यह है कि यदि अब उजड़े तो आशियाना कहां बसाएंगे।

जिला प्रशासन ने कुछ महीने पहले ही पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर गायत्री भवन के पीछे नजूल भूमि पर आवासीय योजना के लिए कब्जा वापस ले लिया। यह भूमि उदासीन संगत ऋषि आश्रम रानोपाली के अधिकार में थी जिसे कुछ काश्तकारों ने ले रखा था। इसी तरह से दो साल पहले सदगुरु सदन गोलाघाट की भूमि पर भी जिला प्रशासन ने कब्जा ले लिया था जो कि ब्रह्म कुंड गुरुद्वारा से सटी हुई थी। इस भूमि पर ही अयोध्या विकास प्राधिकरण ने टेंट सिटी का निर्माण अहमदाबाद की एक प्राइवेट एजेंसी से कराया है। इस एजेंसी को दस वर्ष के अनुबंध पर जमीन दी गयी है।

पार्थिका मेंटल वेलनेस सेंटर का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। प्रभा कुंज भूवर निरंजनपुर में पार्थिका मेंटल वेलनेस सेंटर का शुभारंभ किया गया। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट प्रीती त्रिपाठी ने बताया कि पार्थिका मेंटल वेलनेस सेंटर पर मानसिक रोगियों की काउंसलिंग की जाती है। मानसिक बीमारियां जैसे डिप्रेशन, ओ.सी.डी., नशे की लत, बच्चों में ज्यादा मोबाइल देखने की लत, मंद बुद्धि, पढ़ाई में कमजोर, अधिक चंचल, व्यवहारिक समस्यायें, साइकोसिस – डर लगना, लोगों पर शक करना, खुद से बातें करना, तरह तरह की आवाजें सुनाई देना, घबराहट, बेचैनी, हाथ कांपना, जरूरत से ज्यादा विचार आना, जरूरत से ज्यादा गुस्सा आना, आत्महत्या की कोशिश करना, खुद को नुक्सान पहुंचाना, ज्यादा बोलना, चिड़चिड़ापन, नींद न आना, एक ही बात बार बार दिमाग में आना, ज्यादा पूजा पाठ करना, उझानी, रोना, सिर में दर्द शोर में तकलीफ का बढ़ना, बार बार ताला चेक करना , बार बार हाथ धुलना, अजीब हरकत करते रहना। ऐसे मनोरोगियों की काउंसलिंग के द्वारा इलाज किया जाता है। उन्होंने कहा कि कभी भी कोई रोगी उनसे परामर्श ले सकते है।

सुरक्षा गार्डों ने संभाला नगर निगम की सुरक्षा का मोर्चा

संवाददाता—अयोध्या। नगर निगम अयोध्या की ओर से तैनात किए गए सुरक्षा गार्डों ने शुक्रवार से निगम की सुरक्षा व्यवस्था को संभाल लिया। यह सुरक्षा गार्ड नगर निगम की बैसिंह गौशाला, नगर निगम मुख्यालय के अलावा जोनल कार्यालय कौशलपुरी और अयोध्या धाम में तैनात किए गए हैं। अपर नगर आयुक्त सुमित कुमार ने बताया कि कुल 10 सुरक्षा गार्डों को रखा गया है। इनकी नियुक्ति उप्र पूर्व सैनिक कल्याण निगम की ओर से हुई है। यह सभी पूर्व सैनिक हैं। इनमें बैसिंह गौशाला में छह, नगर निगम मुख्यालय पर दो और जोनल कार्यालय कौशलपुरी और अयोध्या धाम में एक–एक सुरक्षा गार्ड रखे गए हैं। उन्होंने बताया कि बैसिंह गौशाला में चोरी और पशुओं के गायब होने की घटनाएं हो रही थीं। इसी के मद्देनजर यहां छह गार्डों को रखा गया है जो गौशाला में शिफ्टवार रात दिन ड्यूटी पर तैनात रहेंगे।

रेलवे कर्मचारी बताकर 25 लाख की ठगी का आरोपित गिरफ्तार

संवाददाता—गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र में तीन युवकों से रेलवे ग्रुप डी में नौकरी दिलाने के नाम पर 25 लाख हड़पने वाले आरोपित को गुलरिहा पुलिस ने गिरफ्तार कर शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। जालसाज ने खुद को रेलवे का कर्मचारी बताकर गांव के ही युवकों को ठग लिया था। नौकरी नहीं मिलने पर पीड़ित रुपए मांगने गए तो आरोपित जान से मारने की धमकी देकर उन्हें घर से भगा दिया था। गुलरिहा पुलिस ने आरोपित के खिलाफ धोखाधड़ी,धमकी का केस दर्ज कर तलाश कर रही थी।

क्षेत्र के सियारामपुर टोला कुदरिहा निवासी लवकुश का आरोप है कि उसके पड़ोस का रहने वाला शनि दयाल पुत्र जितेंद्र निषाद वर्ष 2022 में खुद को रेलवे में कर्मचारी बताकर रेलवे ग्रुप डी में नौकरी दिलाने की बात कही थी। इसके लिए लवकुश और गांव के रहने वाले सुरेंद्र निषाद व महराजगंज जिले के जंगल फरचंद अली निवासी संजय साहनी से आरोपित ने 30 सितंबर 2022 से 8 जुलाई 2023 के बीच 15 लाख खाते में एवं 10 लाख नगद ले लिया।

काफी समय बीत जाने के बाद तीनों युवकों को नौकरी नहीं मिली तो जालसाज से रुपए वापस करने की बात करने लगे। आरोपित शनि दयाल गाली देते हुए रुपए देने से इनकार कर दिया और दोबारा रुपए मांगने आने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित युवकों की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही थी कि शुक्रवार की दोपहर कुदरिहा गांव के पास शनि दयाल को गिरफ्तार कर लिया। उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया।

गैंगरेप की घटना के विरोध में सड़क पर उतरे एबीवीपी के कार्यकर्ता

संवाददाता—अयोध्या। भदरसा में 12 वर्ष की बालिका के साथ हुई गैंगरेप की घटना को लेकर गुस्सा सड़क पर दिखाई दिया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के सामने गैंगरेप के अभियुक्त भदरसा नगर अध्यक्ष मोइद खान को सपा सांसद अवधेश प्रसाद द्वारा संरक्षण दिए जाने के आरोप में जुलूस निकालते हुए धरना प्रदर्शन किया, बाद में उनके पुतले का दहन किया। वहीं दूसरी तरफ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य अनीता अग्रवाल ने जिला महिला चिकित्सालय में पीड़िता से मुलाकात की।

एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने गांधी पार्क से कलेक्ट्रेट तक प्रदेश मंत्री पुष्पेन्द्र बाजपेई के नेतृत्व में पैदल मार्च निकाला। इसके बाद कलेक्ट्रेट पर स्थानीय सांसद के पुतले का दहन किया। अपर जिलाधिकारी को चार सूत्रीय ज्ञापन देकर मामले में कठोरतम कार्रवाई की मांग किया। इससे पहले एबीवीपी के प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात किया था। एबीवीपी के प्रदेश मंत्री पुष्पेंद्र वाजपेई ने कहा कि मानवता को शर्मशार करने वाली यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। गुरुवार को अभाविप प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात किया था। मामले में प्रशासन को कठोरतम कार्रवाई करके एक मिसाल प्रस्तुत करना चाहिए। विभाग सयोंजक शशांक सिंह विद्यार्थी ने कहा कि प्रकरण में भदरसा चौकी इंचार्ज व स्थानीय थानाध्यक्ष को 30 घंटे तक एफआईआर दर्ज न करने व लंबे समय तक दोषियों को संरक्षण देने के आरोप में तत्काल निलंबित किया जाए। मामले के आरोपी की अवैध संपति को तत्काल प्रभाव से बुलडोजर चलाकर समाप्त किया जाए। प्रदर्शन में रोहित सिंह बाबू, बृजेश वर्मा, कर्मवीर सिंह, अभय सिंह, अवनेंद्र सिंह, अंकुर सिंह, पुष्कर मिश्रा, अश्वनी पांडेय, ऋषभ गुप्ता, नवीन आजाद दुबे, शिवम मिश्रा, मानवेंद्र प्रताप सिंह, किशन सिंह ,महेश पांडेय, प्रियांशु तिवारी, रितिक सिंह, मोहित साहू, आयुष सिंह, कुंदन, प्रखर सिंह ,यश पांडेय, आदित्य सिंह, उत्कर्ष पांडेय ,सिद्धार्थ तिवारी, सुमित शुक्ला, रत्नेश सिंह, दुर्गेश तिवारी, आदर्श चतुर्वेदी, अनुराग शुक्ला,आकाश रंजन, रचित मिश्रा, हर्षित पांडेय, अंकित भारतीय, राजवर्धन मौजूद रहे।

बाल आयोग मुख्यमंत्री को सौंपेगा मामले की जांच रिपोर्टराज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य अनीता अग्रवाल ने शुक्रवार को जिला महिला चिकित्सालय में पीड़िता से मुलाकात किया। आयोग की सदस्य ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश देते हुए पीड़िता को जनरल वार्ड से प्राइवेट वार्ड में शिफ्ट करने के लिए कहा। किसी भी अनजान व्यक्ति की पीड़िता से मुलाकात पर रोक लगायी। डीएम व एसएसपी को जिला महिला चिकित्सालय व पीड़िता के आवास पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने के लिए कहा। जिला प्रोबेशन अधिकारी को आयोग की सदस्य ने बालिका का बैंक में खाता खुलवाकर उसे योजनाओं का लाभ देने का निर्देश दिया। आयोग की सदस्य अनीता अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री ने पीड़िता की मां को मुलाकात के लिए बुलाने के साथ जांच करने के लिए उन्हें यहां भेजा है। सर्किट हाउस में प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि पूरे मामले की जांच रिपोर्ट राज्य बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष को दी जायेगी। आयोग के अध्यक्ष इस रिपोर्ट को मुख्यमंत्री को भेजेंगे। उन्होंने कहा कि मामले की जांच चल रही है। इसमें अगर किसी स्तर पर प्रशासनिक लापरवाही पायी जाएगी, तो उस पर भी कार्रवाई होगी। इस समय पीड़िता व उसके परिवार की सुरक्षा आवश्यक है। जिसके लिए प्रशासन को निर्देश दिया गया है। मामले में सपा का चरित्र सामने आया है। इतनी बड़ी घटना व आरोपी के समाजवादी पार्टी का पदाधिकारी होने के बाद भी सपा की तरफ से कोई बयान नहीं आया। उसे पार्टी से निष्काषित क्यों नहीं किया गया।

32 गांवों को नगर पालिका में मिलाने के लिए भाजपा नेता ने डीएम सौंपा ज्ञापन

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। 106 वर्ष पुरानी नगर पालिका टांडा का विस्तार करने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक प्रदीप कुमार उर्फ शंकर गुप्ता ने डीएम को ज्ञापन देकर औद्योगिक नगरी टांडा की नगर पालिका के आसपास के 32 गांवों को सम्मिलित किए जाने की मांग की है। भाजपा नेता ने डीएम को दिए गए ज्ञापन में कहा कि 106 वर्ष पुरानी नगर पालिका परिषद टांडा का विस्तार न होने से आसपास के गांवों के लोगों की मंशा पूर्ण नहीं हो पा रही है। उन्होंने कहा कि रसूलपुर खास, दौरहरा खास, आलमपुर, शेखपुरा, चिन्तौरा, रसूलपुर, मुबारकपुर, मांझा रसूलपुर एवं आदि गांवो को नगर पालिका में शामिल किए जाने से इन गांव के लोगों को विशेष सहूलियतें मिलने लगेंगी। मौके पर पूर्व सभासद रामप्यारे विश्वकर्मा, महामंत्री कासिम अंसारी एवं शत्रुघ्न सोनी प्रमुख रूप से साथ रहे।

संविधान के प्रदत्त मूल अधिकारों की जानकारी दी गई

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। जलालपुर विकास खंडके गुवापाकड़ ग्राम पंचायत भवन पर जन शिक्षण केन्द्र कुटियवा एवं दी द पीपुल अभियान के संयुक्त तत्वावधान में संविधान से समाधान पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें भस्मा व गुवापाकड़ की तीस किशोरियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण की शुरुआत मेरे भारत का संविधान सारी दुनिया से न्यारा है के गीत के साथ शुरू किया गया। प्रशिक्षण शिविर में संविधान द्वारा प्रदत्त मूल अधिकार, नीति निदेशक तत्व के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। सहजकर्ता प्रवीन व पुष्पा पाल ने प्रशिणर्थियों को संविधान के लिखने के समय से संविधान के संशोधन तक कि प्रक्रिया के बारे में बताया कि कैसे हम संविधान के जरिये अपनी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। अपनी चुनौतियों का सामना करते हुए संवैधानिक दायरे में रहकर उसका समाधान कर सकते हैं।

प्रशिक्षण के दौरान संवाद स्थापित करने के लिए डाक्यूमेंट्री फिल्म, क्विज प्रस्तुतीकरण, खेल आदि के माध्यम से सिखाने का प्रयास किया गया। समता, समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व के बारे में विस्तार से वार्ता की गई। संविधान की प्रस्तावना, उद्देशिका के बारे में बिन्दुवार चर्चा की गई। प्रशिक्षण के उपरान्त प्रतिभागियों को सिटीजन चौंपियन सर्टीफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जन शिक्षण केन्द्र से राम स्वरूप, हेमलता, सिद्धार्थ सिंह, पुनीता, रामहित, किशोरी, समूह व नारी संघ की मांडवी, नैना, गरिमा, राधा, करिश्मा, गीता, उर्मिला आदि मौजूद रहीं।

प्रत्येक थाने पर विधिक सहायता से संबंधित पोस्टर लगना आवश्यक

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ अन्जय कुमार श्रीवास्तव ने पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता से औपचारिक मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निर्देशित जनपद के प्रत्येक थाने पर विधिक सहायता से संबंधित लगने वाले पोस्टर की आवश्यकता पर बल दिया।

जनपद में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम क्रियाशील है। निर्धन व असहाय लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता दी जा रही है। गिरफ्तारी से पूर्व, रिमांड स्तर पर, गिरफ्तारी के बाद जिला कारागार में निरुद्ध कैदियों के जमानत से लेकर संपूर्ण विचारण का कार्य इस सिस्टम द्वारा निरंतर किया जा रहा है। जनपद के प्रत्येक थाने पर लोगों को विधिक सहायता से संबंधित जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को सिस्टम के अधिवक्ताओं ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की। इस दौरान डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसिल संजीव कुमार पांडेय, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल मो. दानिश व प्रज्ञा श्रीवास्तव उपस्थित रहीं।

महुली क्षेत्र का किशोर अयोध्या धाम में स्नान करते समय डूबा, मौत

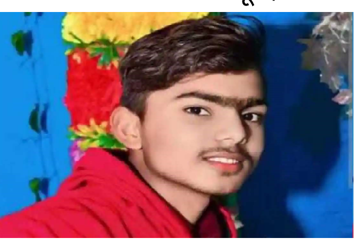

संवाददाता—संतकबीरनगर। महुली थाना क्षेत्र के ग्राम भैसही जोत कला निवासी 16 वर्षीय एक बालक अयोध्या धाम में स्थित सरयू नदी में स्नान करते समय डूब गया। वह कांवड़ियों के जत्थे के साथ अयोध्या गया था। गोताखोर के माध्यम से शव को बाहर निकालकर पुलिस ने मर्चरी हाउस पहुंचाया। परिजनों ने लिखित रूप से शव का पोस्टमार्टम न कराने की बात कही। इस पर पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूर्ण कर परिजनों को सौंप दिया है। उसकी मौत से घर में कोहराम मच गया।

महुली क्षेत्र के भैसही जोत कला निवासी अखिलेश कुमार (16) पुत्र रिंकू प्रसाद अपने चाचा उदयभान के साथ कांवड़िया ग्रुप में शामिल होकर अयोध्या धाम गया था। साथ में गए चाचा उदयभान के अनुसार अखिलेश स्नान कर रहा था। इसी दौरान अचानक वह गहराई में जाकर डूबने लगा। शोर शराबा सुनकर अधिक संख्या में लोग जुट गए। अयोध्या कोतवाली पुलिस ने गोताखोर और अन्य लोगों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला। शव को मर्चरी हाउस में भेजवा दिया। परिजनों ने अयोध्या पुलिस को लिखित रूप से सूचना देकर शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। शव को घर उठा लाए। बिड़हर घाट पर शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। मौत की सूचना से माता उषा देवी बार–बार बेहोश हो जा रही है। परिजन बेटे की मौत से बेहाल हैं।

सीएम योगी दो दिनों के गोरखपुर दौरे पर, देंगे करोड़ों की सौगात

संवाददाता—गोरखपुर। शनिवार को योगी आदित्यनाथ ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज को 55 करोड़ रुपये से अधिक के विकास और सुविधाओं की सौगात देंगे। मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम में दोपहर बाद 3ः30 बजे से प्रस्तावित कार्यक्रम में सीएम योगी कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के साथ ही जनहित में विभिन्न नई सुविधाओं का शुभारंभ करेंगे।लोकार्पण, शिलान्यास और सुविधाओं के शुभारंभ समारोह के मंच से मुख्यमंत्री स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण के तहत एमबीबीएस और पैरामेडिकल छात्रों को 483 टैबलेट–स्मार्टफोन का वितरण भी करेंगे। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों जिन प्रमुख सुविधाओं का शुभारंभ होगा उनमें 7 करोड़ 17 लाख रुपये की लागत से सीटी स्कैन मशीन और 11.25 लाख रुपये की लागत वाली लिथोट्रिप्सी मशीन का लोकार्पण प्रमुख है। इसके अलावा सीएम जेनेटिक मेडिसिन और पीडियाट्रिक्स आर्थोपेडिक्स ओपीडी तथा मिल्क बैंक का भी शुभारंभ करेंगे।

मेडिकल कॉलेज में मुख्यमंत्री द्वारा माइक्रोबायोलॉजी विभाग में सैम्पल कलेक्शन सेन्टर की स्थापना, पैथालॉजी विभाग में फुली आटोमेटिक टिशु प्रोसेसर, फुली आटोमेटिक यूरिन एनालाइजर, 5 पार्ट सिमेक्स सीबीसी एनलाइजर तथा न्यू एडवांस टेक्नोलॉजी का हारमोन ट्यूमर मेकर डिडक्शन की एलाइनिटी मशीन की स्थापना का शुभारम्भ और आईएचसी पैनल के रेंज की वृद्धि कार्य का शुभारम्भ किया जाएगा। साथ ही वह फार्मेसी कालेज के विस्तार निर्माण कार्य का लोकार्पण करेंगे। इस पर 8 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत आई है। सीएम योगी मेडिकल कॉलेज में 6 करोड़ 12 लाख रुपये की लागत से स्थापित बर्न यूनिट, 2 करोड़ 68 लाख रुपये की लागत से स्थापित नेशनल इमरजेन्सी लाइफ सपोर्ट लैब और 98 लाख रुपये से बनी स्टेडियम की चहारदीवारी का लोकार्पण करने के अलावा सुपर स्पेशिलिटी हास्पिटल में कार्यरत उपचारिकाओं के लिए 100 सीटेड मैरिड छात्रावास के निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे। इस छात्रावास के निर्माण पर 30 करोड़ 31 लाख रुपये की लागत आएगी।

स्कूल संचालक हत्याकांड का आरोपी सफाईकर्मी निलंबित

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के कोतवाली क्षेत्र के महुई में स्कूल संचालक की हुई हत्या के मामले में सभी छह आरोपी जेल में निरुद्ध है। इस मामले में पुलिस आरोपियों के खिलाफ जल्द चार्जशीट कोर्ट में दाखिल करने की तैयारी में जुट गई है। इधर डीपीआरओ ने जेल में निरुद्ध हत्यारोपी सफाई कर्मी पन्नेलाल उर्फ फुन्नेलाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

कोतवाली क्षेत्र के महुई गांव निवासी स्कूल संचालक धर्मेंद्र यादव और फौजी बोधनाथ यादव के परिवार के बीच जमीन संबंधी विवाद चल रहा है। उसी विवाद में आठ जून को स्कूल संचालक धर्मेंद्र यादव की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। जबकि तलवार से किए गए हमले में पीड़ित परिवार के चार लोग घायल हो गए थे। इस मामले में पीड़ित पत्नी सुमन यादव ने आरोपी फौजी भाई बोधनाथ यादव, फौजी इंद्रजीत यादव, गोरखनाथ यादव, शेषनाथ यादव, बोधनाथ यादव की पत्नी और उनके रिश्तेदार पन्नेलाल यादव के खिलाफ बलवा, हत्या, हत्या के प्रयास, जानमाल की धमकी आदि धाराओं में केस दर्ज कराया था। पुलिस ने घटना के 24 घंटे के भीतर ही आरोपी बनाए गए भाकियू, के तहसील अध्यक्ष गोरखनाथ यादव और उनके भाई शेषनाथ यादव को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। जबकि घटना के 15 दिन बाद आरोपी दोनों फौजी भाई बोधनाथ यादव और इंद्रजीत यादव को एसपी की गठित टीम जम्मू और असम से गिरफ्तार कर जिले में ले आई और फिर जेल भेज दिया था। जबकि आरोपी सफाईकर्मी पन्नेलाल यादव निवासी बेल्दुहा थाना महुली ने कोर्ट में सरेंडर किया था। करीब एक सप्ताह पूर्व हत्यारोपी सत्या यादव पत्नी बोधनाथ यादव ने भी कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। कोतवाल सतीश सिंह ने बताया कि हत्याकांड के सभी छह आरोपी जेल जा चुके हैं। इस मामले में आरोपियों पर चार्जशीट कोर्ट में दाखिल किए जाने की तैयारी की जा रही है। डीपीआरओ राजेश कुमार ने बताया कि सहायक विकास अधिकारी पंचायत नाथनगर ने 29 जुलाई 2024 को रिपोर्ट दिया कि ग्राम पंचायत परसा उर्फ फिदाईपुर के राजस्व गांव महुआपार में तैनात सफाई कर्मी पन्नेलाल उर्फ फुन्नेलाल मारपीट और हत्या के मामले में अभियुक्त है, जो पांच जुलाई 2024 से जिला कारागार संतकबीरनगर में निरुद्ध है। उसी के क्रम में सफाई कर्मी पन्नेलाल उर्फ फुन्नेलाल को तत्काल प्रभाव से एक अगस्त को निलंबित कर दिया गया।

सोलर रूफ टाप लगवाने वाले स्थानीय निकायों को प्रोत्साहन राशि

संवाददाता—अयोध्या। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ ग्रामीण इलाकों में जल्दी पहुंचाने के लिए अब ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की अहम भूमिका निभाएगा। ग्रामीण आबादी में सोलर रूफ टॉप लगवाने के लिए प्रोत्साहित करने पर पंचायतीराज संस्थाओं को एक हजार रुपए प्रति घर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। मतलब यह कि सोलर रूफ टॉप लगवाने वाली पंचायती राज संस्थाएं भी योजना से लाभान्वित होंगी। विभाग ने सभी जिला परिषदों को इस बारे में पत्र जारी किया है। स्थानीय निकायों के लिए प्रोत्साहन घटक शहरी स्थानीय निकायों (नगर निगम, नगर परिषद, नगर पंचायत और आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी अन्य शहरी स्थानीय निकाय) और पंचायती राज संस्थान (ग्राम पंचायत) को प्रोत्साहन प्रदान करेगा।

पंचायतीराज संस्थाओं को एक हजार रुपए प्रति घर प्रोत्साहन राशि मिलेगी। निर्देशों में कहा गया है कि फरवरी में शुरु हुई पीएम सूर्य घर के तहत एक करोड़ घरों को 300 मासिक यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करने के लिए रूफ टॉप सौर ऊर्जा स्थापित किया जाना है। पंचायतीराज संस्थाओं को इस योजना में एक हजार रुपए की राशि प्रति घर के हिसाब से प्रोत्साहन राशि के रूप में उपलब्ध कराई जाएगी। लिहाजा पंचायतीराज संस्थाओं को योजना के संबंध में ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को प्रोत्साहित करना होगा। प्रोत्साहन राशि से ग्राम पंचायतों की आय बढ़ेगी। योजना में प्रोत्साहन राशि ग्राम पंचायतों के खाते में जाएगी। यदि ग्राम पंचायत सौ घरों में भी प्रोत्साहित करती है, तो उसके खाते में एक लाख रुपए पहुंचेंगे। ज्यादा घरों से यह राशि और ज्यादा होगी तो इस राशि का उपयोग ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों में उपयोग किया जा सकेगा।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com